राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 51 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,22 अगस्त 2021 , मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

अमृत महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने वर्ष 2023 में स्वतंत्रता दिवस तक चलने वाले 'आजादी का अमृत महोत्सव' से जुड़ी तैयारियों की शनिवार को एक बैठक में समीक्षा की। बैठक में विशेष रूप से केन्द्र शासित प्रदेशों में इस महोत्सव की तैयारियों को लेकर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। केंद्र शासित प्रदेशों के मुय सचिवों तथा प्रशासकों के सलाहकारों ने संबंधित प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और विरासत को रेखांकित करते हुए भारत के स्वाधीनता संग्राम की विषय वस्तु के इर्द-गिर्द एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम का विवरण साझा किया। प्रतिभागियों ने कई नये विचार सामने रखे।

सीएम केजरीवाल ने दी राहत, खुलेंगे बाजार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का कहर दिल्ली में लगभग नियंत्रित हो गया है, ऐसे दिल्ली सरकार ने कोविड-19 के मामलों में गिरावट के मद्देजनर शनिवार को पाबंदियां हटाने की घोषणा करते हुए कहा कि 23 अगस्त से राष्ट्रीय राजधानी में रात 8 बजे के बाद भी बाजार खुले रह सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को लगातार दूसरे दिन कोविड-19 से मौत का कोई मामला सामने नहीं आया। जो पिछले साल 15 अप्रैल के बाद से सबसे कम है। मुयमंत्री ने ट्वीट किया कि दिल्ली के बाज़ारों को शाम 8 बजे तक खुलने की इजाज़त थी।

सांवलियाजी मंदिर में दान की सोने की पादुका

जयपुर, (एजेंसी)। अहमदाबाद के एक व्यापारी ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़-उदयपुर हाईवे पर स्थित प्रसिद्ध कृष्ण मंदिर संवलियाजी में चांदी के बर्तनों के साथ 287.5 ग्राम वजन की सोने की पादुकाएं व गिलास दान में दिया। व्यापारी गणेशलाल काबरा इसबार कोरोना के चलते भंडारे का आयोजन करने में असमर्थ थे। अब, जब राज्य में सक्रिय मामले न्यूनतम स्तर तक पहुंच गए, तो काबरा ने सोने की पादुकाएं और ग्लास दान कर दिया। उन्होंने 262 ग्राम वजन के चांदी के बर्तन भी भेंट किए।

118 करोड़ की जीएसटी धोखाधड़ी का पर्दाफाश

मुंबई, (एजेंसी)। फर्जी बिलों से जुड़े 118 करोड़ रुपए के जीएसटी धोखाधड़ी के मामले में सात कंपनियों के माध्यम से काम करने वाले एक व्यक्ति को गिरतार किया गया है। ऑपरेशन को जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई), मुंबई जोनल यूनिट द्वारा अंजाम दिया गया, जिसके कारण मास्टरमाइंड संतोष दोशी को गिरतार किया गया, जो मासूम ओवरसीज प्रालि. के एमडी हैं। दोशी सात अन्य कंपनियों को भी चलाता व नियंत्रित करता है। दोशी द्वारा जाली दस्तावेजों का उपयोग करके झारखंड और पश्चिम बंगाल में कई डमी कंपनियां बनाई गईं।

केंद्रीय विामंत्री ने किया उभरते सितारे फंड का शुभारंभ

लखनऊ । राजधानी लखनऊ में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक और इंडिया एजिम बैंक के उभरते सितारे फंड की शुरुआत करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उार प्रदेश की एक जिला एक उत्पाद योजना देश के लिए रोल माडल है। निर्यात की संभावना वाली कंपनियों की मदद के लिए शुरू किए गए उभरते सितारे फंड को ओडीओपी से रतार मिलेगी। उन्होंने कहा कि उार प्रदेश में देश के किसी राज्य के मुकाबले सबसे ज्यादा छोटे व मझोले उद्योग हैं और यहां के लोग इसका सबसे ज्यादा लाभ ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि फंड के जरिए निर्यात की संभावना वाले उद्यमों को विीय व तकनीकी मदद दी जाएगी।

भारत सरकार का बड़ा फैसला

फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए अब हर दिन दो उड़ानें

काबुल ■ एजेंसी

अफगानिस्तान में तालिबान कब्जा होने के बाद हर देश अपने नागिरकों को अफगान से निकालने में लगा है। भारत भी लगातार वायुसेना के विमानों से भारतीय नागरिकों को वापस ला रहा है। इस बीच भारत सरकार ने अब अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रतिदिन दो उड़ानें संचालित करने की अनुमति दे दी है।

अफगानिस्तान सरकार के सूत्रों ने बताया कि भारत को अफगानिस्तान में फंसे अपने नागरिकों को निकालने के लिए काबुल से प्रतिदिन दो उड़ानें संचालित करने की अनुमति दी गई है। गौरतलब है कि 15 अगस्त को तालिबान द्वारा काबुल में कब्जा करने के बाद हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन अमेरिकी व उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) द्वारा किया जा रहा है और भारत को नाटो तरफ से काबुल से हर दिन दो उड़ानें संचालित करने की अनुमति दी गई है। इस समय काबुल हवाई अड्डा पूरी तरह से अमेरिकी सुरक्षा बलों के नियंत्रण में है। नाटो बलों द्वारा इस समय काबुल से कुल 25 उड़ानें संचालित की जा रही हैं।

90 यात्रियों के साथ पहुंचेगा एयर इंडिया का विमान

अब तक काबुल से लगभग 300 नागिरकों को वापस लाया जा चुका है। भारत इस समय ताजिकिस्तान और कतर के रास्ते से अपने नागिरकों को एयरलिफ्ट कर रहा है। बता दें कि भारत सी 130 जे विमान से काबुल से भारतीयों को वापस ला रहा है। सूत्रों की मानें तो जल्द ही एयर इंडिया की एक फ्लाइट करीब 90 यात्रियों को लेकर भारत पहुंचने वाली है। वहीं अमेरिकी सुरक्षा कर्मियों के कंट्रोल में काबुल हवाई अड्डे पर भारतीय अधिकारियों की आवाजाही को सुरक्षित बनान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एनएसए अजीत डोभाल ने अपने अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन से वार्ता की थी जिसके बाद भारत के पहले विमान को काबुल से संचालित करने की अनुमति मिली थी।

पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी के भाई हशमत गनी ने तालिबान से मिलाया हाथ

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी अहमदजई के भाई हशमत गनी अहमदजई ने तालिबान से हाथ मिला लिया है। इससे पूरी दुनिया हैरान है कि आखिर कल तक जो परिवार अफगानिस्तान पर शासन कर रहा था वह कैसे इतना कायर हो गया कि दुश्मनों से मुकाबला करने के बजाए आत्मसमर्पण करने और भाग जाने का रास्ता अपनाया। हशमत गनी अहमदजई ने तालिबान को समर्थन करने का ऐलान किया है। कुचिस की ग्रैंड काउंसिल के प्रमुख हशमत गनी अहमदजई ने तालिबान नेता खलील-उर-रहमान और धार्मिक विद्वान मुफ्ती महमूद जाकिर की उपस्थिति में तालिबान के लिए अपने समर्थन की घोषणा की।

तालिबान का शीर्ष नेता बरादर काबुल पहुंचे: आतंकी संगठन तालिबान के राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख मुल्ला अब्दुल गनी बरादर अफगानिस्तान में नई सरकार के गठन पर बातचीत करने के लिए शनिवार को कंधार से काबुल पहुंचे। पिछले कुछ दिनों में अफगानिस्तान की राजधानी पहुंचने वाले अन्य वरिष्ठ तालिबानी नेताओं में हक्कानी नेटवर्क का एक प्रमुख सदस्य खलील अल-रहमान हक्कानी भी शामिल है। हक्कानी पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया हुआ है और उन पर 50 लाख डॉलर का इनाम भी है।

तालिबान ने दस्तावेजों की जांच करने के बाद 150 भारतीयों को छोड़ा

काबुल, (एजेंसी)। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में करीब 150 भारतीयों के अपहरण की खबर को भारत सरकार से जुड़े सूत्रों ने गलत बताया है। सूत्रों ने बताया कि सभी भारतीय पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि हम भारतीय की सुरक्षा के वादे और इसमें सहयोग के लिए स्थानीय अधिकारियों का धन्यवाद करते हैं। अफगानिस्तान में कई भारतीय भी फंसे हुए हैं। भारत काबुल से अपने लोगों को निकालने के अभियान में लगातार जुटा हुआ है। बता दें कि, इससे पहले अफगानिस्तान के कई मीडिया हाउस ने रिपोर्ट दी थी कि अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से निकलने का इंतजार कर रहे लोगों का तालिबान ने अपहरण कर लिया है।

राम मंदिर आंदोलन के पैरोकार कल्याण सिंह नहीं रहे

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह का एक लंबी बीमारी के बाद आज निधन हो गया। उन्हें चार जुलाई को संजय गांधी पीजीआइ के क्रिटिकल केयर मेडिसिन की आइसीयू में गंभीर अवस्था में भर्ती किया गया था। लंबी बीमारी और शरीर के कई अंगों के धीरे-धीरे फेल होने के कारण शनिवार रात 9ः30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। कल्याण सिंह तबीयत खराब होने के कारण लखनऊ के संजय गांधी पीजीआइ में चार जुलाई से भर्ती थे। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने हर दिन उनके स्वास्थ्य का हाल लिया और उनके निर्देश पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार निगरानी करते रहे। पीजीआइ के डाक्टरों ने कल्याण सिंह की स्थिति बेहद नाजुक होने की जानकारी मुख्यमंत्री समेत उनके परिवार के लोगों को भी दी थी। शनिवार को देर शाम यह सूचना मिलने पर सीएम योगी आदित्यानाथ उन्हें देखने एसजीपीजीआइ पहुंचे थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर शोक जताते हुए उत्तर प्रदेश में तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर शनिवार को प्रदेश भर में शोक की लहर दौड़ गई। यह दुखद सूचना पाते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित पार्टी के कई वरिष्ठ मंत्री और नेता पीजीआइ पहुंच गए। वहां से पार्थिव देह को स्वजन माल एवेन्यू स्थित उनके आवास पर ले आए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा कर दी। इधर, भाजपा ने अपने तीन दिन के सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं और दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देने के लिए रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी लखनऊ आ रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री के निधन के बाद रात 11.30 बजे कैबिनेट की आपात बैठक बुलाकर शोक प्रस्ताव पारित किया गया। उससे पहले पीजीआइ पहुंचे योगी ने बताया कि राजकीय शोक की अवधि में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। रविवार को कल्याण सिंह की पार्थिव देह सुबह नौ से 11 बजे तक विधान भवन और फिर 11 से एक बजे तक भाजपा प्रदेश मुख्यालय में दर्शनों के लिए रखी जाएगी। यहां श्रद्धांजलि के बाद दोपहर दो बजे शव को अलीगढ़ ले जाया जाएगा। वहां भी देह को जनता के दर्शनों के लिए स्टेडियम में रखा जाएगा। सोमवार को जन्मभूमि-कर्मभूमि अलीगढ़ के अतरौली में पार्थिव देह को जनता के दर्शनार्थ रखा जाएगा। शाम को नरोरा में गंगा के किनारे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। अंत्येष्टि वाले दिन सरकार ने सार्वजनिक अवकाश की भी घोषणा की है। इसके साथ ही भाजपा ने अपने तीन दिन के सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। कल्याण सिंह के अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए जेपी नड्डा भी रविवार को लखनऊ आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार देर रात कैबिनेट की मीटिंग के बाद दोबारा कल्याण सिंह के माल एवेन्यू स्थित आवास पर पहुँचे। इस दौरान उन्होंने जिलाधिकारी से शांति पाठ शुरू कराने के लिए कहा। सीएम का निर्देश मिलने के बाद वहां शांति पाठ शुरू हो गया। मुख्यमंत्री करीब आधे घंटे तक वहां मौजूद रहे और शांति पाठ जारी रहा। दो बार पीजीआइ और दो बार घर पहुंचे = मुख्यमंत्री शनिवार दोपहर बाद कल्याण सिंह का हाल लेने पीजीआई पहुंचे। इसके बाद वह वापस लौट आए। कुछ देर बाद ही उन्हें कल्याण सिंह के निधन की सूचना प्राप्त हुई,

भारत के सांस्कृतिक उत्थान में रहा अहम योगदान : मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उार प्रदेश के पूर्व मुयमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे कल्याण सिंह के निधन पर शोक व्यत किया है। श्री मोदी ने शनिवार को अपने ट्विटर संदेश में कहा कि मैं शदों में अपनी निराशा व्यत नहीं कर सकता। भारत के सांस्कृतिक उत्थान में उनके योगदान के लिए आने वाली पीढ़ियां हमेशा कल्याण सिंह जी की आभारी रहेंगी । राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने शोक व्यत करते हुए कहा कि कल्याण सिंह का जनता से जादुई जुड़ाव था। उनका निधन सार्वजनिक जीवन में एक शून्य छोड़ देता है।

मेरी हार्दिक संवेदना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कल्याण सिंह जी के निधन से देश ने आज एक सच्चे राष्ट्रभत, ईमानदार एवं धर्मनिष्ठ राजनेता को खो दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कल्याण सिंह जी उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की वह कद्दावर हस्ती थे। यूपी के मुयमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कल्याण सिंह दो महीने से अस्वस्थ थे।

जैश के तीन आतंकी ढेर

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में जारी मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के तीन आतंकी मारे गए हैं। एक आतंकी की पहचान वकील शाह के रूप में हुई जिसने इसी साल जून महीने में बीजेपी नेता राकेश पंडिता की हत्या की थी। इस मुठभेड़ में तीन आतंकी मारे गए हैं। जिनके पास से दो एके-47 राइफल, एक एसएलआर और अन्य सामान बरामद किया गया है।

आतंकी वकील शाह के मारे जाने की पुष्टि कश्मीर जोन के आईजी विजय कुमार ने की है। उन्होंने यह भी बताया है कि वकील शाह राकेश पंडिता की हत्या में शामिल था। गौरतलब है कि दो जून को त्राल में देर रात आतंकियों ने भाजपा नेता राकेश पंडिता कि गोली मारकर हत्या कर दी थी। अगले दिन शव जम्मू स्थित रूप नगर में उनके घर लाया गया। अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे लोगों ने कहा कि इस कायराना हमले को अंजाम देने वालों का जल्द से जल्द खात्मा किया जाए और कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा मुहैया कराई जाए। वहीं, राकेश पंडिता के बेटे पारस पंडिता ने हमले के बाद बताया था कि उनके पिता राकेश पंडिता को एक साजिश के तहत निशाना बनाया गया। साथ ही, राकेश पंडिता के भाई संजय पंडिता ने बताया था कि हमले वाले दिन उनके भाई एक शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाने गए थे, इसी दौरान आतंकियों ने उन पर गोलियां बरसाई थीं।

केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक अगरतला में रक्षा बंधन उत्सव के दौरान बीएसएफ के एक जवान की कलाई पर राखी बांधती हुई।

सरकार की नीतियां गलतः कांग्रेस

मनरेगा में चार सालों में 935 करोड़ का घोटाला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि नियमों की अनदेखी करने की मोदी सरकार की नीतियों के कारण गरीबों की महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना-मनरेगा में भी घोटाला हुआ है और सरकार उसकी वसूली करने में असमर्थ रही है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शनिवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह घोटाला सरकार की मनरेगा में हर छह महीने में ऑडिट करने की नीति की अनदेखी करने के कारण हुआ है।

उनका कहना था कि जो नियम इसके लिए बनाया गया था उसे बहाल किया जाना हिए और हर छह महीने में मनरेगा की ऑडिट की व्यवस्था लागू होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के सोशल ऑडिट के अनुसार मनरेगा में 935 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है।

अब हमें एक होना चाहिएः चिदंबरम

कांग्रेस के सीनियर नेता पी चिदंबरम ने सोनिया गांधी की बैठक का समर्थन करते हुए कहा कि किसी भी दूसरे अधिकार के मुकाबले आजादी को ज्यादा महत्व देने वाले लोगों को 19 विपक्षी दलों की ओर से एकजुट होने की कवायद का स्वागत करना चाहिए। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि भक्त और ट्रोल विपक्षी एकजुटता का मजाक बनाएंगे, लेकिन उन्हें मार्टिन निमोलर (जर्मन कवि) के मशहूर बोलों को याद रखना चाहिए। चिदंबरम ने अपने ट्वीट में जर्मन कवि की बात को समझाते हुए लिखा कि विरोधी आपकी हर कोशिश का मजाक बनाएंगे, लेकिन एक दिन उन्हें भी अहसास होगा कि हम जिन लोगों की आजादी के लिए लड़ रहे थे उनमें वह भी शामिल थे।

विपक्षी दल जनता का भरोसा जीतेंः ठाकरे

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विपक्षी दलों से अनुरोध किया कि वे जनता का भरोसा जीतें और एकजुट व मजबूत रहें। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा शुक्रवार को बुलाई गई विपक्षी दलों के नेताओं की ऑनलाइन बैठक के दौरान उन्होंने यह अपील की। शिवसेना नेता संजय राउत ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा कि बैठक के दौरान, ठाकरे ने इस बात पर जोर दिया कि दलों को जनता का विश्वास जीतना होगा। उनके मुताबिक बैठक में ठाकरे ने कहा कि अभी तो विपक्षी दलों में सत्ता को लेकर कोई लालसा नहीं है। लेकिन जब सत्ता सामने होगी तब भी विपक्षी दलों पर लोगों का यह भरोसा होना चाहिए कि वे मजबूत और एकजुट रहेंगे।

केंद्र के बड़े अफसर भ्रष्ट, चार महीने में लोकपाल को मिलीं 30 शिकायतें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इस साल अप्रैल और जुलाई के बीच लोकपाल को केंद्र सरकार के वरिष्ठ कर्मचारियों के खिलाफ कुल 30 शिकायतें मिली हैं। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान मिली कुल शिकायतों में से 18 जुलाई और 12 अप्रैल और जून के महीने में मिली हैं। वहीं इनमें से 18 शिकायतें ग्रुप ए और बी श्रेणी के अधिकारियों के खिलाफ हैं। इसके अलावा 12 शिकायतें चेयरपरसन, मेंबर या ऑफिसर जैसे विभिन्न पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ मिली हैं। लोकपाल के आंकड़ों के मुताबिक यह सभी सरकारी या गैर सरकारी संस्थानों से ताल्लुक रखने वाले हैं।

11 शिकायतों का हुआ निपटारा

आंकड़ों के मुताबिक प्राथमिक जांच के बाद 11 शिकायतों का निपटारा कर दिया गया है। वहीं सात मामलों में शुरुआती जांच के आदेश दिए गए थे। एक शिकायत में स्टेटस रिपोर्ट मांगी गई और एक अन्य में टिप्पणी के लिए कहा गया था। तीन अन्य मामलों में लोकपाल ने अतिरिक्त सूचना की मांग की थी। इसके अलावा तीन शिकायतों में सीबीआई रिपोर्ट का इंतजार है। यह सभी मामले 2021-22 के हैं। लोकपाल आम जनता के लिए काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करता है।

आज प्रधानमंत्री से मिलेगा 11 सदस्यीय बिहार प्रतिनिधिमंडल

जाति जनगणना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार सरकार ने शनिवार को उन 11 सदस्यों की सूची जारी की, जो जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल रविवार को सुबह 11 बजे नई दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेगा। प्रतिनिधिमंडल में नीतीश कुमार के अलावा हर राजनीतिक दल के एक सदस्य को शामिल किया गया है। दिलचस्प यह है कि भाजपा की बिहार इकाई दो उपमुख्यमंत्रियों या भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल सहित अपने वरिष्ठ नेताओं को नहीं भेज रही है। नीतीश कुमार सरकार में कैबिनेट मंत्री जनक राम प्रतिनिधिमंडल में भाजपा की बिहार इकाई का प्रतिनिधित्व करेंगे।

व्यक्तिगत स्वतंत्रता संवैधानिक जनादेश का महत्वपूर्ण पहलू है : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि महज इसलिए किसी को गिरफ्तार करना कि यह कानूनी रूप से वैध है, इसका यह मतलब नहीं है कि गिरफ्तारी की ही जाए। साथ ही उसने कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता संवैधानिक जनादेश का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

गिरफ्तारी किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा गिरा सकती है

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अगर नियमित तौर पर गिरफ्तारी की जाती है तो यह किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा एवं आत्मसम्मान को 'बेहिसाब नुकसान' पहुंचा सकती है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की पीठ ने कहा कि अगर किसी मामले के जांच अधिकारी को यह नहीं लगता कि आरोपी फरार हो जाएगा या सम्मन की अवज्ञा करेगा तो उसे हिरासत में अदालत के समक्ष पेश करने की आवश्यकता नहीं है। पीठ ने इस हफ्ते एक आदेश में कहा कि 'हमारा मानना है कि निजी आजादी हमारे संवैधानिक जनादेश का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जांच के दौरान किसी आरोपी को गिरफ्तार करने की नौबत तब आती है जब हिरासत में पूछताछ आवश्यक हो जाए या यह कोई जघन्य अपराध हो या ऐसी आशंका हो कि गवाहों को प्रभावित किया जा सकता है या आरोपी फरार हो सकता है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीमकोर्ट ने यह टिप्पणी की।

समारोह | भारतीय मानक ब्यूरो के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने दी जानकारी

हॉलमार्किंग में 90 हजार ज्वेलर्स को जोड़ा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

उपभोक्ता कार्य मंत्रालय की हॉलमार्किंग योजना को सफलता मिल रही है। एक करोड़ से अधिक आभूषणों पर हॉलमार्क अंकित किया गया। 90,000 से अधिक आभूषण-निर्माता पहले से ही पंजीकृत हैं। भारत में आभूषणों पर हॉलमार्क अंकित करने के कार्य में हो रही प्रगति के विषय पर संबोधित करते हुए बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद तिवारी ने कहा, हॉलमार्किंग योजना को बड़ी सफलता मिल रही है और अल्प अवधि में ही 1 करोड़ से अधिक आभूषणों पर हॉलमार्क अंकित करने का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसी अवधि में, 90,000 से अधिक आभूषण-निर्माताओं ने पंजीकरण भी कराया है।

उन्होंने कहा कि आभूषण-निर्माताओं के समर्थन और सहयोग के कारण इस योजना को बड़ी सफलता मिली है। इसकी वजह पंजीकृत आभूषण-निर्माताओं की संख्या बढ़कर 91,603 हो गई है। 1 जुलाई, 2021 से 20 अगस्त तक हॉलमार्क के लिए प्राप्त एवं हॉलमार्क अंकित किए गए आभूषणों की संख्या क्रमशः एक करोड़ सत्रह लाख और एक करोड़ दो लाख हो गई है। हॉलमार्क के लिए अपने आभूषण भेजने वाले आभूषण-निर्माताओं की संख्या 1 जुलाई से 15 जुलाई के दौरान 5,145 से बढ़कर 1 अगस्त से 15 अगस्त, 2021 के दौरान 14,349 हो गई है और 861 एएचसी ने एचयूआईडी- आधारित प्रणाली के तहत हॉलमार्क अंकित करने का कार्य शुरू कर दिया है।

हॉलमार्क अंकित करने की गति में धीरे-धीरे और संतोषजनक बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। 1 जुलाई से 15 जुलाई, 2021 तक के पखवाड़े के दौरान 14.28 आभूषणों का हॉलमार्क किया गया, लेकिन 1 अगस्त से 15 अगस्त के दौरान यह आंकड़ा बढ़कर 41.81 लाख हो गया।

ईडी अधिकारी लेंगे वीआरएस

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी राजेश्वर सिंह ने सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया है और उनके भाजपा में शामिल होने तथा उप्र का आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की उम्मीद है। सिंह वर्तमान में लखनऊ में ईडी के जोनल कार्यालय में संयुक्त निदेशक के रूप में तैनात हैं। बीटेक और पुलिस, मानवाधिकार तथा सामाजिक न्याय में पीएचडी कर चुके सिंह 2009 में उप्र से प्रतिनियुक्ति पर ईडी से जुड़े।

संक्षिप्त समाचार

तालिबान ने 72 अफगान सिखों और हिंदुओं को भारत आ रहे वायुसेना के विमान में चढ़ने से रोका

काबुल। तालिबान ने भारतीय वायु सेना के विमान में सवार होने से अफगानिस्तान संसद के दो अल्पसंख्यक सदस्यों सहित 72 अफगान सिखों और हिंदुओं के एक जत्थे को रोक दिया है। उन्हें काबुल एयरपोर्ट से वापस भेज दिया गया। द इंडियन एक्सप्रेस की खबर के अनुसार विश्व पंजाबी संगठन (डब्ल्यूपीओ) के अध्यक्ष विक्रमजीत सिंह साहनी ने कहा कि भारत जाने की मांग करते हुए, अफगान सिखों और हिंदुओं का यह पहला जत्था शुक्रवार से 12 घंटे से अधिक समय से हवाई अड्डे के बाहर इंतजार कर रहा था। तालिबान लड़ाकों ने उन्हें भारतीय वायुसेना के विमान में चढ़ने से रोक दिया और कहा कि चूंकि वे अफगान हैं, इसलिए उन्हें वापस जाना चाहिए। लगभग 80 भारतीय नागरिकों के साथ सवार होना था। साहनी ने कहा। 'अब अफगान सिखों और हिंदुओं को निकालने का एकमात्र तरीका तालिबान के साथ बातचीत करना और उन्हें बताना है कि सिखों को इस साल के अंत में गुरु तेग बहादुर जी की 400 वीं जयंती समारोह के लिए भारत आने की जरूरत है। तालिबान के अधिग्रहण के बाद से, 280 अफगान सिखों और 30-40 हिंदुओं के एक समूह ने काबुल के करता परवन गुरुद्वारे में शरण ली है। उन्होंने तालिबान के प्रतिनिधियों के साथ भी दो बैठकें कीं, जिन्होंने उन्हें 'शांति और सुरक्षा' का आश्वासन दिया और कहा कि उन्हें देश छोड़ने की जरूरत नहीं है।

तालिबान ने अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में लड़के-लड़कियों के साथ पढ़ने पर लगायी रोक

काबुल। अफगानिस्तान में महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करने का आश्वासन देने के कुछ दिनों बाद तालिबान के अधिकारियों ने अशांत हेरात प्रांत में सरकारी तथा निजी विश्वविद्यालयों में लड़के और लड़कियों के एक साथ पढ़ने पर रोक लगाते हुए इसे ''समाज में सभी बुराइयों की जड़'' बताया। खामा प्रेस समाचार एजेंसी ने शनिवार को बताया कि विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों, निजी संस्थानों के मालिकों और तालिबान प्राधकारियों के बीच बैठक के बाद यह फैसला लिया गया।अफगानिस्तान में गत सप्ताह सत्ता पर अचानक कब्जा जमाने के बाद से यह तालिबान का पहला 'फतवा' है। तालिबान का लंबे समय से प्रवक्ता जबीहउल्ला मुजाहिद मंगलवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आया था और उन्होंने वादा किया था कि तालिबान इस्लामी कानून केतहत महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करेगा। विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों और निजी शैक्षणिक संस्थानों के मालिकों के साथ तीन घंटे तक चली बैठक में तालिबान के प्रतिनिधि और अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा प्रमुख मुल्ला फरीद ने कहा कि कोई विकल्प नहीं है और लड़के-लड़कियों का साथ पढ़ना खत्म होना चाहिए।

हैती में भूकंप पीड़ितों को मदद का इंतजार, खाद्य सामान की हो रही चोरी

लेस कायेस (हैती)। हैती में आए विध्वंसकारी भूकंप के कारण बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं और भुखमरी का सामना कर रहे हैं तथा कुछ मामलों में तो उन्होंने शुक्रवार को जरूरत के सामान चोरी भी किए। कैरिबियाई देश में 14 अगस्त को 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें करीब 2,200 लोगों की मौत हो गयी, 12,000 से अधिक घायल हो गए तथा 1,00,000 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए। छोटे बंदरगाह शहर लेस कायेस में एपी के फोटोग्राफर ने लोगों को रेड क्रॉस परिसर में खड़े एक ट्रक से सामान चुराते हुए देखा। देश की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के अधिकारी जीन माइकल सबा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस खाद्य सामान से भरे ट्रक को सुरक्षित निकालने में कामयाब रही। उन्होंने यह नहीं बताया कि कितना सामान चुराया गया। लेस कायेस के समीप वे तेरे शहर में भी चोरी की ऐसी घटनाएं सामने आयी। हैती में राहत कार्य की धीमी गति से लोग काफी नाराज हैं लेकिन शुक्रवार को पहली बार इतने बड़े पैमाने पर राहत सामग्री की चोरी की घटनाएं हुई। जिन ट्रकों को लूटा गया उनमें से कुछ अमेरिका के गैर-लाभकारी समूह 'फूड फॉर द पुअर' के काफिले का हिस्सा थे।

पाक झुग्गी बस्ती में अफगानिस्तान में तालिबान शासन से भागने वाले लोगों की आमद बढ़ी

कराची। पाकिस्तान के घनी आबादी वाले शहर कराची के बाहरी इलाकों में एक झुग्गी बस्ती है जहां हाल के दिनों में उत्तरी कुंदुज प्रांत में तालिबान शासन से भागकर आ रहे अफगान परिवारों की आमद बढ़ गई है। कराची के बाहर राजमार्ग से कुछ दूर उत्तरी सीमावर्ती इलाके में स्थित,कंक्रीट और मिट्टी के घरों से बनी अफगान बस्ती (झुग्गी बस्ती), जहां तिरपाल तंबू लगाकर रहने वाले परिवार भी हैं, वहां अफगानिस्तान पर और काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद से अधिक विस्थापित अफगान परिवारों का प्रवाह देखा जा रहा है। कराची में पिछले 25 वर्षों से रह रहे एक बुजुर्ग अफगान हाजी अब्दुल्ला ने कहा, 'हमें आश्चर्य नहीं हुआ और पिछले दो हफ्तों में यहां 500 से 600 परिवार आए हैं, जिसका मतलब है कि महिलाओं और बच्चों समेत करीब चार से पांच हजार लोग होंगे जो हमारे साथ बस्ती में रहने आएंगे।' उन्होंने कहा, 'इन परिवारों के पास कहीं और जाने के लिए नहीं है और ज्यादातर कुंदुज और अन्य प्रांतों के विभिन्न हिस्सों से संबंधित हैं जहां तालिबान ने कब्जा कर लिया है। ये बलोचिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में तस्करी के रास्ते से आए हैं।' करीब 2,00,000 अफगान झुग्गी बस्ती में रहते हैं, जबकि दक्षिणी शहर कराची भी कुछ 5,00,000 अफगान शरणार्थियों का घर है, जो ज्यादातर शहर में मजदूरों के रूप में काम करते हैं या पश्तून बहुल इलाकों में अपनी छोटी दुकानें और व्यवसाय चलाते हैं। इनमें से कई अफगान संपन्न भी हैं और कराची के समृद्ध इलाकों में कपड़ा, निर्माण और फर्नीचर व्यवसाय चलाते हैं और वहां किराए के घरों और अपार्टमेंट में भी रहते हैं।

जानें हक्कानी नेटवर्क का पूरा इतिहास, जिसे तालिबान ने सौंपी काबुल की सुरक्षा की जिम्मेदारी

काबुल।(एजेंसी)।

तालिबान के कुछ शीर्ष नेता काबुल में एक नई अफगान सरकार के गठन पर चर्चा करने के लिए एकत्र हो रहे हैं - जिसमें हक्कानी नेटवर्क का एक प्रतिनिधि भी शामिल है, जो देश के सबसे खूंखार उग्रवादी हैं। हाल के वर्षों में कुछ सबसे घातक हमलों के लिए हक्कानी को दोषी ठहराया गया है, जिसमें नागरिकों, सरकारी अधिकारियों और विदेशी बलों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान के इशारे पर पूरा हक्कानी नेटवर्क अफगानिस्तान में एक्शम मोड में है। पर्दे के पीछे से सारी साजिशों को इसका चीफ सिराजुद्दीन हक्कानी लीड कर रहा है। अफगानिस्तान में सरकार बनाने की जो कोशिश चल रही है इसमें सिराजुद्दीन का भाई अनस हक्कानी भी शामिल है। इसी बीच तालिबान ने काबुल की सुरक्षा सिराजुद्दीन के चाचा खलील हक्कानी को सौंप दी है। उन्होंने इस बात का आश्वासन दिया था कि काबुल के लोगों को सही से सुरक्षा पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। इसके कुछ घंटों बाद तालिबान ने 'अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात' का ऐलान किया था।

हक्कानी कौन हैं?

हक्कानी नेटवर्क का गठन जलालुद्दीन हक्कानी ने किया था जिसने अफगानिस्तान में 1980 के दशक में सोवियत फौजों से जंग लड़ी थी। उस समय मुजाहिदीन को अमेरिका का समर्थन हासिल था। 1995 में हक्कानी नेटवर्क तालिबान के साथ मिल गया और दोनों गुटों ने अफगान राजधानी काबुल पर 1996 में कब्जा कर लिया। 2012 में अमेरिका ने इस गुट को आतंकवादी संगठन घोषित किया। उस संघर्ष के दौरान और सोवियत वापसी के बाद, जलालुद्दीन हक्कानी ने ओसामा बिन लादेन सहित विदेशी जिहादियों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए। बाद में उसने तालिबान के साथ गठबंधन किया, जिसने 1996 में अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था, जब तक कि 2001 में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं द्वारा इसे हटाया नहीं गया। ऐसा माना जाता है कि साल 2001 में हक्कानी नेटवर्क ने ही ओसामा बिन लादेन को भागने में सहायता की थी। हक्कानी ने इस्लामी शासन के मंत्री के रूप में सेवा की। 2018 में तालिबान द्वारा एक लंबी बीमारी के बाद जलालुद्दीन हक्कानी की मृत्यु की घोषणा की गई, और उनका बेटा सिराजुद्दीन औपचारिक रूप से नेटवर्क का प्रमुख बन गया।

क्यों दुर्दांत माना जाता है हक्कानी

नेटवर्क

हक्कानी नेटवर्क को पिछले दो दशकों के दौरान अफगानिस्तान में हुए कुछ सबसे घातक और सबसे चौंकाने वाले हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। 2012 में अमेरिका ने इस गुट को आतंकवादी संगठन घोषित किया। हक्कानी नेटवर्क आत्मघाती हमलावरों का उपयोग करने के लिए जाना जाता है - जिसमें कारों और ट्रकों में भारी मात्रा में विस्फोटक शामिल हैं।

हक्कानी की पाकिस्तानी कुंडली

पूरा हक्कानी नेटवर्क इस वक्त अफगानिस्तान में नेटवर्क हो चुका है। पाकिस्तान के इशारे पर काम करने वाले हक्कानी नेटवर्क का फाउंडर जलालुद्दीन हक्कानी था। उसकी दो बीवीयां और नौ बेटे हैं। इनमें से सिराजुद्दीन इस वक्त हक्कानी नेटवर्क का मुखिया है। आरिज हक्कानी और अरिज हक्कानी इस गैंग के एक्टिव मेंबर्स हैं। इनका एक रिश्तेदार याहया हक्कानी भी इस गैंग में है। जलालुद्दीन हक्कानी का भाई खलील हक्कानी भी इस गैंग का अहम मेंबर है और अपने भतीजे सिराजुद्दीन हक्कानी के इशारे पर काम करता है। हक्कानी नेटवर्क को पाकिस्तान से ही ऑपरेट किया जाता है और पूरा सहयोग भी मिलता है। वजीरिस्तान में इसके कैंप भी हैं। जहां इसके लड़ाकों को ट्रेनिंग दी जाती है। पाकिस्तान यही चाहता है कि हक्कानी नेटवर्क को तालिबान शासन में अहम स्थान मिले। इसके जरिए पाकिस्तान अफगानिस्तान में पूरा दखल चाहता है।

इजरायल ने पर्यावरण अपराधियों से लड़ने के लिए ड्रोन के इस्तेमाल का विस्तार किया

तेल अवीव (एजेंसी)।

इजरायल का पर्यावरण संरक्षण मंत्रालय पर्यावरण अपराधियों के खिलाफ अधिक प्रभावी ढंग से लड़ने के प्रयास में ड्रोन के उपयोग का विस्तार कर रहा है। समाचार एजेंसी की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार, ड्रोन पर लगे कैमरे वास्तविक समय में पर्यावरणीय अपराधों को कैप्चर करना बहुत आसान बनाते हैं क्योंकि गलत कामों के उच्च रिजॉल्यूशन में वीडियो फुटेज अदालत में पर्याप्त सबूत के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, मंत्रालय की ग्रीन पुलिस के पास विशेष कैमरों वाले ड्रोन भी हैं जो रात में इन्फ्रारेड या थर्मल विजन का उपयोग करके वीडियो रिकॉर्ड करने में सक्षम हैं। सभी ऑपरेशन के लिए, ग्रीन पुलिस ड्रोन ऑपरेटर विशिष्ट परिस्थितियों के लिए मशीनों को समायोजित करते हैं। उदाहरण के लिए, समुद्री मिशनों को ऐसे ड्रोन की आवश्यकता होती है जो तेज हवाओं में उड़ सकें, जबकि खुले मैदानों में लंबी दूरी के लेंस वाले शांत ड्रोन बेहतर काम कर सकते हैं। मंत्रालय की मुख्य प्रवर्तन और निरोध शाखा के रूप में, ग्रीन पुलिस के पास जांच करने, जुर्माना और प्रतिबंध लगाने और वाहनों जैसे प्रदूषकों की निगरानी करने की शक्ति है। ग्रीन पुलिस में मानव रहित हवाई वाहन विभाग के प्रमुख इयाल याफ ने कहा कि वर्तमान में अधिकांश ग्रीन पुलिस मामलों में ड्रोन फुटेज हैं जो मामलों को स्पष्ट करके अदालत में बहुत मददगार हैं। ग्रीन पुलिस निरीक्षक अवैध डंपिंग, सीवेज, वायु गुणवत्ता, खतरनाक सामग्री और निर्माण कचरे पर ध्यान देने के साथ पर्यावरण कानूनों, विनियमों और फरमानों की निगरानी और उन्हें

अगर आवश्यकता हुई तो तालिबान के साथ काम करने का रास्ता खुला है : बोरिस जॉनसन

लंदन।(एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि अफगानिस्तान में समाधान तलाशने के लिए ब्रिटेन के कूटनीतिक प्रयास जारी हैं, जिसमें यदि आवश्यक हुई तो तालिबान के साथ काम करने का रास्ता भी खुला है। क्षेत्र में जारी संकट पर चर्चा के लिए शुक्रवार को एक आपातकालीन कैबिनेट ऑफिस ब्रीफिंग रूम (कोबरा) की बैठक के बाद जॉनसन ने मीडिया से कहा कि काबुल हवाई अड्डे से ब्रिटिश नागरिकों और समर्थकों को निकालने के लिए कठिन चुनौतियां बनी हुई हैं, हालांकि स्थिति अब कुछ बेहतर हो रही है।

जॉनसन ने कहा, मैं लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि अफगानिस्तान के लिए समाधान तलाशने के हमारे राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयास जारी रहेंगे, ऐसे में निश्चित रूप से, अगर जरूरी हुआ तो तालिबान के साथ काम करना शामिल है। अफगानिस्तान के लिए हमारी प्रतिबद्धता स्थायी है। उन्होंने कहा, स्थिति थोड़ी बेहतर हो रही है और हम हवाई अड्डे परस्थिरीकरण देख रहे हैं। कल (बृहस्पतिवार) हम लगभग 1,000 लोगों को और आज (शुक्रवार) को 1,000 और लोगों को बाहर निकालने में सक्षम रहे। ब्रिटेन आने के पात्र लोग इस देश में वापस आ रहे हैं और इनमें से बहुत से लोग अफगानिस्तान पुनर्वास और सहायता कार्यक्रम (एआरएपी) के तहत वापस आ रहे हैं जिनमें दुभाषिए और अन्य ऐसे हैं जिनके लिए हम कृतज्ञ हैं। यह अभियान तेज गति के साथ जारी रहेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, अभियान लगातार तेज हो रहा है, लेकिन मैं यह दिखावा नहीं करना सकता कि यह आसान है। आवागमन संबंधी कठिन चुनौतियां हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वे तालिबान की नई सत्ता द्वारा उदारता संबंधी शासन के वादे पर भरोसा करते हैं तो जॉनसन ने कहा, हम आशा करते हैं कि जैसा वह कह रहे हैं, उसका वही मतलब है। हालांकि, एक बार फिर मैं वहीं कहना चाहूंगा जो मैंने सदन में कहा था और मैं समझता हूं कि अमेरिका के राष्ट्रपति, फ्रांस के राष्ट्रपति, जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल, जिन सभी से मैंने बात की, हर कोई इस बात से सहमत है कि हम उनके कार्यों के अनुसार उन्हें परखेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में लॉकडाउन के खिलाफ प्रदर्शन, सैकड़ों लोगों को किया गया गिरफ्तार

सिडनी।(एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए लॉकडाउन का विरोध कर रहे 250 से अधिक लोगों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया और उनमें से कई पर स्वास्थ्य आदेशों का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया। प्राधिकारियों ने बताया कि कुछ प्रदर्शनों में झड़प होने से कम से कम सात पुलिस अधिकारियों का चोटें आयी। ये प्रदर्शन देशभर के कई शहरों में हुए। सबसे बड़ा और हिंसक प्रदर्शन मेलबर्न में हुआ। सिडनी में दो महीने से लॉकडाउन लगा हुआ है जबकि मेलबर्न और राजधानी कैनबरा में इस महीने की शुरुआत में लॉकडाउन लगाया गया। लॉकडाउन के नियमों के तहत लोग अपने घरों में कैद हैं और उनकी गतिविधियों में कई तरह की पाबंदियां लगायी गयी हैं।

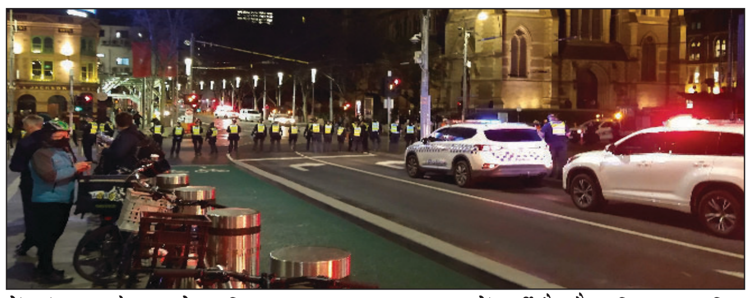

इन पाबंदियों के बावजूद सिडनी के न्यू साउथ वेल्स राज्य में शनिवार को एक दिन में संक्रमण के सबसे अधिक 825 नए मामले आए। कई शहरों में अत्यधिक संक्रामक डेल्टा स्वरूप के मामले आ रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लॉकडाउन खत्म होना चाहिए लेकिन प्राधिकारियों का कहना है कि वायरस को फैलने से रोकने और लोगों की जान बचाने के लिए यह आवश्यक है। मेलबर्न में करीब 4,000 लोगों ने प्रदर्शन किया। विक्टोरिया राज्य पुलिस ने 218 लोगों को गिरफ्तार किया और 200 से अधिक जुर्माना जारी किए।

विक्टोरिया के छह पुलिस अधिकारी अस्पताल में भर्ती है और पुलिस पर कथित तौर पर हमला करने के लिए तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने कई लोगों पर मिर्च का छिड़काव किया। न्यू साउथ वेल्स राज्य में पुलिस ने बताया कि उन्होंने राज्य भर में प्रदर्शन के संबंध में 47 लोगों को गिरफ्तार किया और 260 से अधिक पर जुर्माना लगाया। ब्रिसबेन शहर में लॉकडाउन के खिलाफ 2,000 से अधिक लोग एकत्रित हुए। हालांकि क्वींसलैंड राज्य पुलिस ने बताया कि उन्होंने किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया है।

मेक्सिको के खाड़ी तट से तीसरी श्रेणी में तब्दील होकर गुजरा उष्णकटिबंधीय तूफान 'ग्रेस'

वेराक्रूज (मेसिको)।(एजेंसी)।

उष्कटिबंधीय चक्रवाती तूफान (हर्रिकेन) 'ग्रेस' शनिवार तड़के श्रेणी तीन के एक प्रमुख तूफान के रूप में मेक्सिको के खाड़ी तट से गुजरा जिससे मछली पकड़ने के उद्योग से जुड़े छोटे शहरों और समुद्र तट पर स्थित रिसॉर्ट में बारिश हुई। दो दिनों के भीतर तूफान ने देश में दूसरी बार दस्तक दी है। बृहस्पतिवार को मेक्सिको के मुख्य पर्यटक क्षेत्र के माध्यम से गुजरते हुअ युकाटन प्रायद्वीप को पार करते वक्त तूफान कमजोर पड़ गया था, लेकिन देश के मुख्य भूभाग की तरफ बढ़ते हुए इसने मेक्सिको की अपेक्षाकृत गर्म खाड़ी से फिर से प्रचंड तूफान का रूप ले लिया।

अमेरिकी राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने कहा कि दक्षिण-दक्षिणपूर्व टक्सपेन से करीब 55 किलोमीटर दूर शनिवार सुबह दस्तक देते वक्त ग्रेस से 205 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थी। यह 17 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। पूर्वानुमान कर्ताओं ने कहा कि ग्रेस जल्दी से कमजोर पड़ जाएगा क्योंकि यह एक पर्वत श्रृंखला के ऊपर भीतर की तरफ घुम जाएगा और मेक्सिको सिटी क्षेत्र सहित देश के मध्य में भारी बारिश करेगा। पूर्वानुमानकर्ताओं ने कहा कि इसके असर से 6 से 12 इंच (15 से 30 सेंटीमीटर) तक बारिश हो सकती है जबकि कुछ-कुछ क्षेत्रों में - अचानक बाढ़, भूस्खलन और शहरी बाढ़ का खतरा भी पैदा कर सकता है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कोविड-19 लॉकडाउन जारी रखने के कुप्रभावों पर चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर देश में 10 दिन के लॉकडाउन की घोषणा की और चेताया कि अगर बंदी लंबे समय तक चली तो जनता को इसका गंभीर कुप्रभाव झेलना पड़ेगा। राजपक्षे ने शुक्रवार को टीवी पर प्रसारित राष्ट्र के नाम संदेश में 21 अगस्त रात 10 बजे से 30 अगस्त सुबह चार बजे तक संक्षिप्त लॉकडाउन लगाने की घोषणा की और कहा कि अगर भविष्य में लंबे समय के लिए लॉकडाउन लगाया जाता है तो जनता को तकलीफें सहने के लिए तैयार रहना होगा।

उन्होंने कहा, ''इन मुश्किल हालात में, सभी को परिस्थिति की गंभीरता को समझते हुए रणनीतिक तरीके से देश को आगे ले जाना चाहिए।'' राजपक्षे ने रेखांकित किया कि लॉकडाउन से देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, खास तौर से पुराने झटके

से उबरने की कोशिश कर रहे पर्यटन के क्षेत्र को बहुत दिक्कत होगी। गौरतलब है कि इससे पहले राष्ट्रपति कोविड लॉकडाउन लगाने के स्वास्थ्यकर्मियों के अनुरोध पर कुछ खास ध्यान नहीं दे रहे थे। फिलहाल देश में संक्रमित लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है, अस्पतालों, मुर्दाघरों, शमशान हर जगह अफरा-तफरी का माहौल है। अंततः, देश में लगातार खराब हो रही स्थिति को लेकर बौद्ध भिक्षुओं और उनके अपने राजनीतिक गठबंधन के सदस्यों द्वारा दबाव बनाए जाने पर राष्ट्रपति को झुकना पड़ा और उन्होंने 10 दिनों के संक्षिप्त लॉकडाउन की घोषणा की है। देश में कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर के कारण स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गयी है।

मुर्दाघरों में शवों का ढेर लगा है, वे अंतिम संस्कार के लिए ले जाये जाने का इंतजार कर रहे हैं। शुक्रवार को देश में संक्रमण से 195 लोगों के मरने और संक्रमण के 3,839 नये मामले आने की पुष्टि हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, शनिवार तक देश में कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 6,985 हो गयी है वही, अभी तक कुल 3,81,812 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। राजपक्षे ने माना कि कोविड-19 से मरने वालों में ज्यादातर लोग ऐसे हैं जिनकी उम्र 60 साल से ज्यादा है, उनका टीकाकरण नहीं हुआ है और उन्हें अन्य बीमारियां भी हैं।

कैलिफोर्निया में लगी आग ने लिया भयावह रूप, आने वालों दिनों में और विकराल होने की आशंका

लॉस एंजिलिस। (एजेंसी)।

अमेरिका के पश्चिम तट पर मौजूद कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग ने भयानक रूप ले लिया है और लोग धुएं से परेशान है। पहले ही आग से उड़ रहे धुएं ने रोड आईलैंड के आकार से बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। हालांकि, दमकल कर्मियों का आशंका है कि आने वाले दिनों में यह और भयावह रूप ले सकता है। कैलिफोर्निया में पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले इस साल जंगल का बड़ा हिस्सा आग के कारण नष्ट हो चुका है और अब इलाके में चल रही तेज हवाओं और खुश्की से इसके और विकराल होने की आशंका है।

साउथ कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में इतिहास के प्रोफेसर बिल डेवेरेल जो पश्चिम में आग के बारे में पढ़ाते हैं ने कहा, ''अगस्त में हम समापन (आग बुझने) की ओर नहीं जा रहे हैं, वर्ष 2021 की गर्मियों में शुरू हुई विनाश की विकरालता और दायरा आने वाले दिनों में और बढ़ेगा। पिछले दो दशक की परिपाटी-गर्मी, बड़ी आग की घटनाएं- चिंतित करने वाली है।'' उन्होंने ऐसी घटनाओं के बढ़ने के लिए जलवायु परिवर्तन को कारण बताया। गौरतलब है कि कैलिफोर्निया के उत्तरी क्षेत्र में 15 लाख एकड़ (करीब 6000 वर्ग किलोमीटर) के जंगल आग की भेंट चढ़ चुके हैं।

दिल्ली में मूसलाधार बारिश से जगह-जगह लगा जाम

आईटीओ, आजाद मार्केट अंडरपास, मिंटो ब्रिज, मूलचंद अंडरपास, पुल प्रह्लादपुर अंडरपास सहित कई इलाकों में जलजमाव के कारण यातायात बाधित

नई दिल्ली (संवाददाता)। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में शनिवार तड़के से हो रही मूसलाधार बारिश से विभिन्न इलाकों में जलभराव के कारण आईटीओ, मिंटो ब्रिज सहित कई जगह यातायात बाधित हो गया है।

शुक्रवार और शनिवार की मध्यरात्रि से हो रही बारिश के कारण सड़कों और सभी निचले इलाकों में जलजमाव होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा। दिल्ली के सफदरजंग में आज सुबह 2.30 से 5.30 बजे के दौरान 73.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि इसी अवधि में पालम में 11 मिमी बारिश दर्ज की गई।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, आईटीओ, आजाद मार्केट अंडरपास, मिंटो ब्रिज, मूलचंद अंडरपास, पुल प्रह्लादपुर अंडरपास सहित कई इलाकों में जलजमाव के कारण यातायात बाधित है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले दो घंटों के दौरान दिल्ली-एनसीआर, फरीदाबाद, गाजियाबाद, इंदिरापुरम और आसपास के क्षेत्रों के कई स्थानों पर मध्यम और मूसलाधार बारिश जारी रहने के आसार है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को, दिल्ली और एनसीआर में बादल छाए रहने तथा तेज हवाओं के साथ विभिन्न इलाकों में मूसलाधार बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया था।

न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार है।

निर्माण श्रमिकों को आवश्य किराना किट्स का वितरण

(संवाददाता)

नई दिल्ली। अक्षय पात्र फाउंडेशन ने राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की पुत्री स्वाति कोविंद द्वारा संचालित एनजीओ सहयोग की सहभागिता से रक्षा बंधन के अवसर पर निर्माण श्रमिकों के बीच आवश्य किराना किट्स का वितरण किया। यह सांकेतिक वितरण कार्यक्रम इस अभियान को आरम्भ करने के लिए प्रेसिडेंट इस्टेट के परिसर में आयोजित किया गया था तथा 100 श्रमिकों को आवश्यक किराना किट्स वितरित किये गए। कार्यक्रम में किट्स के अलावा राखियां और मिठाइयां भी वितरित की गई। अगले कुछ दिनों तक निर्माण श्रमिकों, अनाथालय के अन्य लोगों और आर्थिक रूप से वंचित अन्य वर्गों के बीच ये किट्स बाटे जायेंगे। इस अवसर पर स्वाति कोविंद ने कहा कि उनका इरादा यह सुनिश्चित करना है कि इन श्रमिकों को अक्षय पात्र की दृष्टि के अनुरूप पौष्टिक भोजन प्राप्त हो।

नवीन नीरद दास, डायरेक्टर, स्ट्रेटेजिक कम्युनिकेशन, अक्षय पात्र फाउंडेशन ने कहा कि हमें निर्माण कामगारों के बीच आवश्यक किराना किट्स वितरित करने के लिए सुश्री स्वाति कोविंद और सहयोग के साथ साझेदारी करके बेहद खुशी हो रही है। कोविड-19 महामारी ने जीवन के हर क्षेत्र के लोगों को और विशेषकर खुद तथा अपने परिवारों के लिए भोजन की व्यवस्था करने में कठिनाई झेल रहे हैं। इस स्थिति में हमें उनके कल्याण की दिशा में सामूहिक प्रयास करने चाहिए। हम भाग्यशाली है कि हमें अपनी इस मान्यता में सहयोग का साथ मिल रहा है। दास ने सरकार की त्वरित एवं उद्यमशील राहत कार्यों की भी सराहना की और फाउंडेशन के प्रयासों में सरकार के निरंतर सहयोग तथा प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया।

अक्षय पात्र कोविड-19 महामारी के दौरान विभिन्न एनजीओ के साथ साझेदारी करता रहा है। सहयोग के साथ इसका यह साझेदारी इसके कोविड-19 राहत भोजन प्रयासों की निरंतरता का हिस्सा है।

संक्षिप्त खबर

कोरोना से हुई अधिकारी की मौत, पड़ोसी ने फर्जी पेपर तैयार कर घर बेचा

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर अप्रैल 2021 में गृहमंत्रालय में तैनात एक महिला अधिकारी की मौत हो गई। जिसके बाद उसके पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने उनके घर के फर्जी दस्तावेज तैयार करवा कर उनका घर बेच दिया। महिला अधिकारी दिल्ली में अकेली रहती थी। घर बेचने की जानकारी जब पुणे में रहने वाले इंजीनियर बेटे को हुई तो वह दिल्ली आया और पुलिस को अपनी शिकायत दी है। शिकायत मिलने पर नजफगढ़ थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस दस्तावेजों की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित 32 वर्षीय एडवर्ड कोलिंस जेम्स मूलतः तामिलनाडू का रहने वाला है और फिलहाल पुणे में रहकर नेटवर्क इंजीनियरिंग की नौकरी कर रहा है। एडवर्ड कोलिंस जेम्स ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उनकी माँ पुनिता कुमारी असोक गृह मंत्रालय में अधिकारी थी। ऐसे में उनका परिवार सालो पहले दिल्ली आ गया था। उनके पिता कुवैत में नौकरी करते हैं। पुनिता कुमारी असोक दिल्ली में अकेली रहती थी, तो वह आर.के पुरम में सरकार क्वाटर्स में रहती थी। जबकि उनके परिवार में नजफगढ़ के रोशन गार्डन में 233 गज एक प्लाट खरीदा हुआ था और उनके पिता ने दो मंजिल का मकान बना दिया था। जिसकी देखरेख का काम भी पुनिता कुमारी असोक ही करती थी। लेकिन अप्रैल 2021 में कोरोना के चलते उनकी मौत हो गई। जिसके बाद उन्होंने सरकारी क्वाटर्स खाली कर दिया। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

उत्तरी निगम ने संपत्ति कर के भुगतान की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त की

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने बताया की उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने वर्ष 2021-22 के लिए समय पर एकमुश्त भुगतान करने पर 15 प्रतिशत की छूट के साथ संपत्ति कर के भुगतान की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त 2021 कर दी है। उन्होंने बताया कि आवासीय संपत्ति करदाता 15 प्रतिशत छूट के साथ स्व-घोषणा पत्र प्रदान करके अतिरिक्त 3 प्रतिशत छूट का लाभ उठा सकते है कि उन्होंने और उनके परिवार के सभी पात्र सदस्यों ने कोविड-19 का टीका लगावा लिया है। उन्होंने बताया कि सम्पत्ति कर दाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उत्तरी दिल्ली नगर निगम के सभी संपत्तिकर कार्यालय 31 अगस्त 2021 तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक हर शनिवार को भी खुले रहेंगे। राजा इकबाल सिंह ने बताया कि अंतिम दिनों में नागरिकों के उत्साह को देखते हुए संपत्तिकर जमा करवाने की अंतिम तिथि को बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि संपत्तिकर जमा करवाने की अंतिम तिथि बढ़ने से निगम के राजस्व में भी वृद्धि होगी और टीकाकरण में भी लोगों का उत्साह बढ़ेगा।

कृषि खाद्य उद्योग में भी सफल कॅरियर बना सकते हैं छात्र

नई दिल्ली। सुगुना इंस्टिट्यूट ऑफ़ पौल्ट्री मैनेजमेंट छात्रों के लिए कृषि-खाद्य उद्योग में आजीविका के अवसर मुहैया करा रहा है। पौल्ट्री साइंस स्नातक के लिए आजीविका के विभिन्न अवसरों में देश और विदेशों में 100 प्रतिशत प्लेसमेंट के अवसरों के साथ पौल्ट्री हाउसिंग, पौल्ट्री न्यूट्रीशन और फीड मिलिंग टेक्नोलॉजी ब्रीडर मैनेजमेंट, पोल्ट्री हेल्थ और डायग्नोस्टिक लैब, ब्रॉयलर मैनेजमेंट, मीट प्रोसेसिंग, पोल्ट्री मार्केटिंग, हैचरी मैनेजमेंट और उद्यमिता के क्षेत्र में नौकरी शामिल है। सुगुना इंस्टीट्यूट ऑफ पोल्ट्री मैनेजमेंट के प्रिंसिपल, डॉ. गजेंद्रन.के, एम.वी.एससी, पीएचडी, ने कहा कि, हमें यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हमारे छात्रों को घरेलू और विदेशी क्षेत्र के प्रमुख कॉरपोरेट्स में रखा जा रहा है और उन्हें उज्वल और सफल आजीविका मिल रही है ।

मुंहबोली मौसी-मौसा ने बच्चे का अपहरण कर की हत्या, महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजौरी गार्डन थाना क्षेत्र में मुंहबोली मौसी-मौसा ने दो वर्ष के मासूम मनीष की हत्या कर दी। वारदात के बाद शव को पंजाबी बाग नाले में फेंक दिया। पुलिस ने घटना को सुलझाते हुए आरोपित यमुना को गिरफ्तार कर लिया है। यमुना ने अपने पति राजेश के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित और आरोपित परिवार भीख मांगकर अपना गुजर बसर करते हैं। पीड़ित परिवार का भीख मांगने का इलाका कब्जाने के उद्देश्य से वारदात को अंजाम दिया दिया। दूसरी ओर पुलिस पूछताछ में यमुना ने कहा कि मनीष की दादी गीता उसकी बेटी से ज्यादा प्यार मनीष से करती थी। यह उससे बर्दाश्त नहीं होता था। आरोपित राजेश की तलाश में छापेमारी जारी है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशन के नीचे गंगा व उनकी सास गीता लोगों से पैसे मांगकर अपना गुजर बसर करती है। उनके साथ मुंहबोली बहन यमुना व उसका पति राजेश भी रहता था। राजेश तुगलकाबाद में काम करता था। 19 अगस्त की रात गंगा का दो वर्षीय बेटा मनीष अचानक गायब हो गया। बच्चे को ढूंढने की पूरी कोशिश की, लेकिन वह नहीं मिला। इसके बाद गंगा व उनकी सास गीता मेट्रो स्टेशन के नीचे रो रही थीं। इसी दौरान एएसआइ अनिल वहां से गुजर रहे थे। महिला को रोता देख उन्होंने कारण जानने का प्रयास किया और वे महिला के पास पहुंचे। इसके बाद पुलिस को बच्चे के गायब होने की जानकारी मिली।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएचओ अनिल शर्मा के नेतृत्व में दस टीमें बनाई गई। आठ किलोमीटर के दायरे में 442 सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज में यमुना को बच्चे के साथ देखा गया। इसके बाद गंगा को यमुना का फोटो दिखाया तो उसने कहा कि ये तो मेरे साथ ही मेट्रो स्टेशन के नीचे रहती है। पुलिस ने यमुना को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की।

यमुना ने पुलिस को बताया कि हमलोगों का मांगने का इलाका बंटा हुआ है। राजौरी गार्डन इलाके पर हम अपना आधिपत्य चाहते थे। इस कारण वारदात को अंजाम दिया। उसने पुलिस को बताया कि 19 अगस्त की रात को अपने पति राजेश के साथ मिलकर बच्चे का अपहरण कर तुगलकाबाद ले गए। वहां से फिर कई अन्य स्थानों पर गए और रात में बच्चे की गला दबाकर हत्या कर दी। शव को ठिकाने लगाने के लिए दोनों पंजाबी बाग आए और नाले में शव को फेंक दिया। इसके बाद पुलिस ने 32 गोताखोरों व 89 स्थानीय लोगों की मदद से ड्रेन से बच्चे का शव बरामद कर लिया।

शर्मनाक: निजी अस्पताल में 14 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म

फरीदाबाद। सेक्टर-16ए स्थित एक निजी अस्पताल में पिता के साथ पहुंची 14 वर्षीय किशोरी को अकेला पाकर एक युवक ने दुष्कर्म किया। किशोरी के पिता डायलिसिस के लिए अस्पताल पहुंचे थे। किशोरी अटेंडेंट के रूप में पिता के साथ गई थी। अस्तपाल में पिता डायलिसिस के लिए अंदर लैब में चले गए। किशोरी थोड़ी देर कमरे के बाहर बैठी रही, इसके बाद तीसरी मंजिल पर वाशरूम चली गई। जैसे ही वह वाशरूम से बाहर आई एक युवक वहां पहुंचा। उसने किशोरी को साथ चलने के लिए कहा। किशोरी ने इन्कार किया तो वह उसका हाथ पकड़कर खींचते हुए सीढ़ियों से नीचे बेसमेंट में ले गया।

बेसमेंट में सीढ़ियों के नीचे उसने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद किशोरी को वहीं छोड़कर भाग गया। किशोरी सीढ़ियों से ऊपर आई। उसने अस्पताल की महिला कर्मचारी को आपबीती बताई। महिला कर्मचारी ने यह बात डायलिसिस स्टाफ को बताई।किशोरी का कहना है कि एक नर्स ने उसे यह बात अपने पिता को बीमारी का हवाला देकर बताने से मना किया। साथ ही उसे बहलाया कि वे उस युवक के खिलाफ कार्रवाई करेंगे और उसे नौकरी से निकाल देंगे। किशोरी उस वक्त पिता के साथ घर आ गई। घर आकर उसने अपनी भाभी को घटना की जानकारी दी।

भाभी ने उसके भाई को बताया। तब वह किशोरी को लेकर महिला थाने पहुंचा और शिकायत दी। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आरोपित युवक अस्पताल का कर्मी है या वह किसी काम से अस्पताल पहुंचा था।

लुटेरों के अंतरराज्यीय गिरोह का राजफाश, सरगना सहित चार गिरफ्तार

साहिबाबाद । कौशांबी थाना पुलिस ने शुक्रवार को वैशाली से सरगना सहित चार लुटेरों को गिरफ्तार किया। लुटेरों का यह अंतरराज्यीय गिरोह उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा में लूटपाट करता था। उनसे लूट के पांच मोबाइल, चोरी की दो मोटरसाइकिल, तमंचा व चाकू बरामद हुआ है। पुलिस अधीक्षक नगर द्वितीय गाजियाबाद ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि लुटेरों की पहचान सरगना आसिफ व आरिस उर्फ पंडित निवासीगण सीलमपुर दिल्ली, अकरम व अदनान उर्फ अद्दू निवासीगण जाफराबाद दिल्ली के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि आरोपित पहले मोटरसाइकिल चुराते थे। उससे दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में जाकर लूटपाट करते थे। विरोध करने वालों पर तमंचा से गोली मारने की धमकी देते थे।

कौशांबी में की थी 10 लूट- ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि लुटेरों से लूट के पांच मोबाइल बरामद हुए हैं। यह सभी मोबाइल कौशांबी क्षेत्र से लूटा था। इसके अतिरिक्त पांच अन्य लूट को अंजाम देने की बात कबूल की है। बरामद मोटरसाइकिलों को आनंद विहार दिल्ली से चोरी की थी। उसमें फर्जी नंबर प्लेट लगाकर लूट करने निकलते थे।

पुलिस से बचने के लिए बेचते थे कल-पुर्जे- पुलिस क्षेत्राधिकारी इंदिरापुरम अभय कुमार मिश्र ने बताया कि लुटेरे बहुत ही शातिर हैं। पुलिस से बचने के लिए मोबाइल के कल-पुर्जे निकालकर बेचते थे। इससे मोबाइल ट्रैस नहीं हो पाता था। जिन दुकानदारों को कल-पुर्जे बेचते थे, उनका विवरण एकत्र किया जा रहा है। उन पर भी कार्रवाई की जाएगी।

अभय कुमार मिश्र ने बताया कि आसिफ गिरोह का सरगना है। उसने 14 साल की उम्र में ही लूट और चोरी शुरू कर दी थी। वह दिल्ली में कई बार जेल जा चुका है। उसके खिलाफ दिल्ली व एनसीआर के विभिन्न थानों में 26 मुकदमे दर्ज हैं। उसने अकरम, आरिस व अदनान के साथ मिलकर गिरोह बनाया था।

नई दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में बारिश के बाद जलभराव वाली सड़क से गुजरती महिला।

भारी बारिश से दिल्ली-एनसीआर में कई जगह ट्रैक पर भरा पानी, ट्रेनों का परिचालन बाधित

नई दिल्ली । मानसून की झमाझम बारिश ने दिल्ली-एनसीआर में जनजीवन प्रभावित हुआ है। बारिश के चलते जहां पर सड़कों पर पानी भरने से जगह-जगह ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई है, वहीं इसका असर ट्रेनों के परिचालन पर भी पड़ा है।

बारिश से रेल परिचालन बाधित, ट्रैक पर भरा पानी- शनिवार सुबह दिल्ली-एनसीआर में हुई बारिश की वजह से रेल परिचालन बाधित हुआ। नई दिल्ली से हजरत निजामुद्दीन और नई दिल्ली से पुरानी दिल्ली के बीच कई जगह ट्रैक पर पानी भरने से रेल परिचालन में दिक्कत हुई। इससे दूसरे रूट की ट्रेनें भी प्रभावित हुई।

बारिश की वजह से दिल्ली की सड़कों पर जल भराव के साथ ही रेलवे ट्रैक पर भी कई जगहों पर पानी भर गया। रेलवे ट्रैक पर पानी भरने से कई जगह सिंग्नल प्रणाली में खराबी आ गई। इस वजह से ट्रेनों को अलग-अलग स्थानों पर कुछ देर के लिए रोककर धीमी गति से चलाया जा रहा है, जिससे कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। कुछ स्थानों पर पेड़ गिरने की वजह से भी रेल परिचालन बाधित हुआ है। सबसे ज्यादा दिक्कत नई दिल्ली से हजरत निजामुद्दीन और नई दिल्ली से पुरानी दिल्ली के बीच हुई। इससे गाजियाबाद और पानीपत की ओर से आने-जाने वाली ट्रेनों का टाइम टेबल भी प्रभावित हुआ है। एक दर्जन से ज्यादा ट्रेनें विलंब हुई हैं।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि ट्रैक की निगरानी बढ़ा दी गई है। कर्मचारियों की टीम लगातार ट्रैक का निरीक्षण कर रहे हैं जिससे कि किसी भी तरह की खराबी को दुरुस्त किया जा सके। अधिकारी भी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। अधिकांश स्थानों पर ट्रैक से पानी निकाल दिया गया है। आहिस्ता-आहिस्ता रेल परिचालन सामान्य होने लगा है।

पंजाब में किसानों के आंदोलन से ट्रेनें रद- वहीं. पंजाब में गन्ने का समर्थन मूल्य बढ़ाने की मांग को लेकर किसानों के प्रदर्शन से भी रेल परिचालन पर असर पड़ा है। उत्तर रेलवे की 50 से ज्यादा ट्रेनें रद हो गई हैं। दिल्ली से चलने वाली जम्मूतवी एक्सप्रेस, वंदे भारत एक्सप्रेस, उत्तर संपर्क क्रांति सहित कई ट्रेनें रद कर दी गई।

लेआउट प्लान मंजूरी को नहीं काटने होंगे एमसीडी दफ्तरों के चक्कर, अब घर बैठे कर सकेंगे अप्लाई

नई दिल्ली। साउथ दिल्ली नगर निगम की ओर से राजधानी वासियों के लिए एक बड़ी योजना की शुरुआत की गई है. साउथ एमसीडी में इज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत एक नया ऑनलाइन मॉड्यूल तैयार किया है जिसके तहत अब लेआउट प्लान की मंजूरी लेने के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने होंगे. अब घर बैठे इसकी मंजूरी मिल सकेगी. तीनों एमसीडी की नोडल एजेंसी के रूप में काम कर रही एसडीएमसी ने इस योजना की शुरुआत की है. अब तीनों निगमों की ओर से लेआउट प्लान की मंजूरी ऑनलाइन दी जाएगी. पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन करने का उद्देश्य इसमें मानवीय हस्तक्षेप को समाप्त करना है ताकि ले-आउट प्लान को स्वीकृति दिलाने के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें. ले-आउट प्लान स्वीकृति की प्रक्रिया में एकरूपता लाने के लिए दिल्ली के तीनों निगमों के अधिकार क्षेत्र में इसी ऑनलाइन माध्यम से स्वीकृति प्रदान की जाएगी. आवेदन मंजूर होने के बाद ऑनलाइन जारी होगी लेआउट प्लान की कॉपीसाउथ निगम का नगर नियोजन विभाग https://mcdonline.nic.in के माध्यम से ले-आउट प्लान की सॉफ्ट कॉपी स्वीकार करेगा. इसके अतिरिक्त और किसी माध्यम से आवेदन स्वीकृत नहीं होंगे. ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात् सॉफ्टवेयर शून्य त्रुटि प्रमाण पत्र जारी करेगा जिसके बाद आवेदन नगर नियोजन विभाग के संबंधित अधिकारी द्वारा ऑनलाइन माध्यम से अनुमति देने के लिए स्वीकार किया जायेगा तथा स्वीकृत ले-आउट प्लान की प्रति ऑनलाइन माध्यम से दी जाएगी. पहले से अप्लाई आवेदन पुरानी प्रक्रिया से ही निपटाए जाएंगेवर्तमान में जो आवेदन पहले से प्रक्रिया में है उन्हें पुराने तरीके से ही निपटाया जायेगा तथा पुराने किसी आवेदन को अस्वीकृत किए जाने की स्थिति में उसे नई प्रक्रिया के माध्यम से दोबारा शुल्क अदा करके आवेदन करना पड़ेगा. अन्य श्रेणी के आवेदन जैसे कि निजी भूमि नीति के अंतर्गत आने वाले आवेदन, वर्तमान में चली आ रही प्रक्रिया के माध्यम से ही स्वीकार किए जायेंगे.

पुलिस ने अवैध शराब के 10 हजार क्वार्टर के साथ तस्कर को किया अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के द्वारका जिले की स्पेशल स्टाफ पुलिस ने इलाके में अवैध शराब की सप्लाई करने वाले एक आरोपी को धर दबोचने में कामयाबी हासिल की है. इसकी पहचान डाबड़ी के रहने वाले दीपक के रूप में हुई है. पुलिस ने इनके पास से 10,200 क्वार्टर अवैध शराब के बरामद किये हैं.

द्वारका जिला डीसीपी संतोष कुमार मीणा के मुताबिक पुलिस को अवैध शराब की सप्लाई की जानकारी मिली थी. जिसके बाद पुलिस की एक टीम गठित की गई, जिसने भरत विहार में छापेमारी कर क्वार्टर से भरे 204 कार्टून बरामद कर लिए. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ डाबड़ी थाने में मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लिया और आगे की जांच में जुट गई है.

द्वारका जिला पुलिस ने इलाके में अवैध शराब की सप्लाई करने वाले एक आरोपी को धर दबोचने में कामयाबी हासिल की है.

बताते चलें कि कोरोना महामारी में बेरोजगार होने या फिर कारोबार बंद होने जाने की वजह से इस तरह की गतिविधियों में लोगों के संलिप्त होने के मामले आये दिन सामने आ रहे हैं. वहीं दिल्ली हर रोज बड़ी मात्रा में अवैध शराब भी बरामद की जा रही है.

भ्रूण जांच के आरोप में मां-बेटे सहित तीन गिरफ्तार, अस्पताल संचालक फरार

फरीदाबाद । जिला स्वास्थ्य विभाग की पीएनडीटी टीम ने शुक्रवार देर शाम को द्वारका (दिल्ली) स्थित तारक अस्पताल में छापेमारी कर अल्ट्रासाउंड करने वाले मां-बेटे सहित तीन को गिरफ्तार किया है। छापेमारी की सूचना पाकर अस्पताल संचालक मुनीष अरोड़ा मौके से फरार हो गए। स्वास्थ्य विभाग ने द्वारका थाने में पीएनडीटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया है।

स्वास्थ्य विभाग को सूचना मिली थी कि गुरदीप सिंह और तजेंदर कौर द्वारका के तारक अस्पताल में गर्भवतियों को लेकर उनके गर्भ में पल रहे भ्रूण के लिंग की जांच करवाते हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. विनय गुप्ता ने शिकायत के आधार पर पीएनडीटी के नोडल अधिकारी डा. हरीश आर्या और खेड़ीकलां स्वास्थ्य केंद्र के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा. हरजिंदर सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया।

टीम में तिगांव स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सक डा. राखी, डा. स्वरूर सिंह, कानूनी सलाहकार संजय गुप्ता और स्वास्थ्यकर्मी पंकज राजपूत थे। इससे पूर्व गर्भवती महिला को छापेमारी में शामिल करने के लिए तैयार किया। वह गर्भवती तजेंदर कौर व गुरदीप सिंह से मिली और 40 हजार रुपये भ्रूण जांच पर सहमति बनी। इसके बाद गुरदीप और तजेंदर कौर गर्भवती को अपने साथ तारक अस्पताल लेकर गए। यहां पर डा. प्रीति कोचर ने महिला का अल्ट्रासाउंड किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार गर्भवती का पीछा कर रही थी। गर्भवती के इशारा करने पर स्वास्थ्य अधिकारियों ने छापेमारी शुरू कर दी। इस दौरान दिल्ली प्रशासन को भी छापेमारी के बारे में सूचित किया गया।

छापेमारी के दौरान अस्पताल संचालक मनीष अरोड़ा और डा. प्रीति कोचर मौके से फरार हो गए, जबकि तजेंदर कौर, गुरदीप सिंह और डा. कुनाल कुमार विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया है। डा. हरीश आर्या ने बताया कि आरोपितों से 40 हजार रुपये बरामद कर लिए गए हैं। इसके अलावा चार अल्ट्रासाउंड मशीनों को सील किया गया है। डा. प्रीति कोचर ने पूरे पेट का अल्ट्रासाउंड किया है। उन पर आरोप तय करने से पूर्व दिल्ली प्रशासन को मशीन सहित अन्य दस्तावेज की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान काफी अनियमितताएं भी मिली हैं।

संपादकीय

भारतीय टीके पर फिजूल सवाल

कोरोना रोधी टीकों के खिलाफ जब अफवाहों का बाजार गरम हो, तब उसकी प्रभावशीलता पर बार-बार उठते सवाल लोगों की उलझन और बढ़ा सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इस मसले को तत्परता के साथ सुलझाया जा रहा है, और जल्द ही सुखद नतीजे मिलने की उम्मीद है। कोविशील्ड फिलहाल इसी दुश्चक्र में उलझ गया है। यूरोपीय संघ के देश इस आधार पर कोविशील्ड से मिलने वाली सुरक्षा को संदिग्ध बता रहे हैं कि चंद लोगों में इसके दुष्परिणाम, यानी साइड इफेक्ट दिखे हैं। जबकि इसे मूलतः ब्रिटिश संस्थान ऑक्सफोर्ड/ एस्ट्राजेनेका ने ही तैयार किया है, जिसका उत्पादन भारतीय कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कर रही है। सबसे अहम सवाल यह है कि पहले जिस टीके को यूरोपीय देशों ने अपने यहां इस्तेमाल की अनुमति दी और उसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया, अब उससे मिलने वाली सुरक्षा पर वे क्यों सवाल खड़े कर रहे हैं? इसकी कई वजहें हो सकती हैं। हमें यह समझना चाहिए कि किसी भी टीके को पर्याप्त परीक्षण के बाद ही बाजार में उतारा जाता है। ये परीक्षण पहले जानवरों पर होते हैं, उसके बाद मानवों पर किए जाते हैं। इंसानों में भी पहले चुनिंदा लोगों को टीका लगाया जाता है, और उसके नतीजों के आधार पर जन-समुदाय के लिए उसे सुरक्षित घोषित किया जाता है। चूंकि कोविड-19 की मारकता अधिक थी और इस बीमारी से दुनिया भर में लाखों लोगों की जान जा रही थी, इसलिए कोरोना रोधी तमाम टीकों के कमोबेश आपात इस्तेमाल की अनुमति दी गई, जिसका मतलब था कि इनका पूरा परीक्षण तो नहीं हो सका है, लेकिन न्यूनतम सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखा गया है और उनमें टीके सुरक्षित पाए गए हैं। अब चूंकि व्यापक स्तर पर टीकों का इस्तेमाल हो रहा है और करोड़ों लोगों को टीके लगाए जा चुके हैं, तो उसमें दुष्परिणाम के चंद मामले कोविशील्ड के खिलाफ जा रहे हैं व प्रश्न उठाए जा रहे हैं।

पर क्या इन सवालों को इतनी अहमियत देनी चाहिए? शरीर के भीतर बाहर से डाली जाने वाली कोई भी चीज का अपना साइड इफेक्ट होता है। टीके का भी यही गणित है। हालांकि, इसमें भी कुछ दुष्परिणाम टीके की वजह से दिखते हैं, तो कुछ मनोवैज्ञानिक कारणों से। मसलन, टीका लगते ही कंपकंपी आना अथवा बेहोश होने की घटनाएं आमतौर पर दिमागी रूप से भयभीत होने के कारण घटती हैं, जबकि बुखार आना, मिचली आना या फिर चक्कर आदि समस्याएं टीके के कारण हो सकती हैं। शुरू-शुरू में कोरोना रोधी टीकों को लेकर ये आशंकाएं कुछ ज्यादा थीं, क्योंकि व्यापक स्तर पर इनका परीक्षण नहीं हो सका था। इन टीकों के संदर्भ में यह अध्ययन भी नहीं हो सका था कि वायरस के खिलाफ ये किस हद तक कारगर हैं? जिन लोगों को टीके लगे, क्या उन्हें भी वायरस ने अपना शिकार बनाया? और अगर वे बीमार पड़े, तो बीमारी की गंभीरता कितनी रही? ये कुछ ऐसे सवाल थे, जिनके जवाब बाद में तलाशे गए। कुछ सवालों के उत्तर तो अब भी खोजे जा रहे हैं। अभी तक के तमाम अध्ययन यही बता रहे हैं कि जिन टीकों को अनुमति मिली है, वे सभी वायरस के खिलाफ काम कर रहे हैं, और कोरोना से हमें बचा रहे हैं। इतना ही नहीं, जिन लोगों को टीके लगे, और वे यदि बीमार भी हुए, तो उन्हें ज्यादा दिक्कत नहीं हुई और जल्दी ठीक हो गए। मृत्यु दर भी टीके लगे व्यक्तियों में बहुत कम दिखी।

समस्या सिर्फ यह है कि कोविशील्ड टीका लगने के बाद कुछ लोगों में खून के थक्के जमने की शिकायतें आई हैं। यूरोपीय देशों में इसके कारण कुछ मौतें भी हुई हैं। नतीजतन, उसके खिलाफ माहौल बनता चला गया। असल में, टीकाकरण के बाद मौत को मामूली मसला नहीं माना जाता। अपने यहां भी गर्भाशय कैंसर की एक वैक्सीन इसलिए प्रतिबंधित कर दी गई थी, क्योंकि टीका लगने के बाद दक्षिण में एक महिला ने दम तोड़ दिया था, जबकि उस टीके को आज भी कई स्त्री रोग विशेषज्ञ व डॉक्टर काफी सफल बताते हैं और बच्चों को लगवाने की सिफारिश करते हैं।

देखा जाए, तो कोई भी टीका शत-प्रतिशत सुरक्षित नहीं होता। मगर कोरोना रोधी टीके के साथ अच्छी बात यह है कि वायरस के खिलाफ ये कारगर साबित हुए हैं। अपने यहां इस्तेमाल हो रहे कोवैक्सीन और कोविशील्ड, दोनों टीकों के अच्छे फायदे दिखे हैं। लिहाजा, टीका प्रभावशाली हो, और व्यापक तौर पर उसके लाभ दिख रहे हों, तो दुष्परिणाम की एकाध घटनाओं को हमें अभी नजरंदाज कर देना चाहिए। भारत बहुत कम संसाधन में अपने नागरिकों को कोरोना से बचाने का अभियान चला रहा है। इसे पटरी से उतरने नहीं देना चाहिए। सार्वजनिक स्वास्थ्य का यही तकाजा है। मानवाधिकार कार्यकर्ता बेशक एकाध मामलों को भी तवज्जो दें (जिसे मैं गलत नहीं मानता, क्योंकि हरेक नागरिक को उसका अधिकार मिलना ही चाहिए), लेकिन व्यापक हित में सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता हर नागरिक के लिए टीके की वकालत करते हैं। बात जब जान से जुड़ी हो, तो हक का सवाल स्वाभाविक तौर पर पीछे छूट जाता है। साफ है, कोविशील्ड को लेकर चल रहा विवाद अभी कोई अर्थ नहीं रखता। इसको लेकर ज्यादा खौफ खाने की जरूरत नहीं है। सरकारों को भी आम लोगों में पनप रही चिंता को खत्म करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना चाहिए। लोगों को यह समझाना होगा कि वे टीके की प्रभावशीलता को महत्व दें। तथ्य यही है कि कोरोना से संक्रमित होने के बाद महज एक फीसदी लोगों में मृत्यु का खतरा होता है, जबकि टीकाकरण के बाद मौत का यह खतरा घटकर 0.0001 प्रतिशत हो जाता है। इसीलिए टीकों से मिलने वाली सुरक्षा के आधार पर ही लोगों को अपना मत बनाना चाहिए। जोखिम और खतरे जीवन के हर मोड़ पर आते रहते हैं, लेकिन जिन उपायों से ये खतरे कम हो सकें, उन्हें जरूर अपनाना चाहिए। कोरोना रोधी टीके भी हमें ऐसे ही जोखिम से बचाते हैं।

प्रवीण कुमार सिंह

कार्यपालिका और विधायिका की जवाबदेही तय है, लेकिन न्यायपालिका किसी संस्था के प्रति जवाबदेह नहीं

उन्होंने इंटरनेट मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर भी टिप्पणी की है। कहा है कि 'नए मीडिया टूल में किसी भी बात को बढ़ा-चढ़ाकर बताने की क्षमता है। वे सही-गलत, अच्छे-बुरे और असली-नकली के बीच फर्क करने में असमर्थ हैं।' उन्होंने ठीक कहा है कि मीडिया ट्रायल मामलों के विचारण में मार्गदर्शक नहीं हो सकते। उन्होंने यह भी कहा कि 'न्यायाधीशों को कभी भी भावुक राय से प्रभावित नहीं होना चाहिए।' उन्होंने कोरोना महामारी पर भी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि 'हमें आवश्यक रूप से खुद से पूछना होगा कि हमने अपने लोगों की सुरक्षा और कल्याण के लिए कानून के शासन का किस हद तक इस्तेमाल किया।' ऐसा आत्मचिंतन समय की मांग भी है।

लोकतंत्र भारत की जीवनशैली है। संविधान की उद्देशिका में राष्ट्र राज्य की शक्ति का मूल स्रोत 'हम भारत के लोग हैं।' उद्देशिका में भारत के लोगों की सर्वोच्च प्रभुता की घोषणा है। भारत के लोगों ने प्रभुत्व संपन्न संविधान सभा में अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से देश का संविधान बनाया था। भारत के लोग अपनी प्रभुता का प्रयोग केंद्र में संसद और राज्य में विधानमंडल के माध्यम से करते हैं। कार्यपालिका विधायिका के प्रति जवाबदेह है। संविधान में स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका है। इसे संसद या विधानमंडल द्वारा अधिनियमित विधि की संवैधानिकता जांचने के अधिकार भी हैं। तीनों संस्थाएं संविधान से शक्ति पाती हैं। चुनाव के माध्यम से नागरिक अपने मन की सरकार चुनते हैं। चुनाव संवैधानिक जनतंत्र का महत्वपूर्ण अधिकार हैं, लेकिन गत सप्ताह सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमन्ना ने एक कार्यक्रम में कहा, 'चुनाव से सत्ता में आए लोगों को बदलने का अधिकार निरंकुश शासन से बचे रहने की गारंटी नहीं है।' उन्होंने राजनीतिक आलोचना और विपक्ष की आवाज को आदर्श लोकतंत्र प्रक्रिया का हिस्सा बताया है। यहां तक सब ठीक है, लेकिन उनके वक्तव्य में न्यायपालिका के कामकाज पर कोई सारवान् चर्चा नहीं है।

प्रधान न्यायाधीश ने तर्कसंगत के साथ अतर्कसंगत विचारों को भी सम्मान देने की अपील की है। इसीलिए उनका ताजा वक्तव्य विश्लेषण योग्य हो गया है। उन्होंने न्यायपालिका की पूर्ण स्वतंत्रता की बात कही है। साथ ही स्पष्ट किया है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता को विधायिका या कार्यपालिका द्वारा प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से नियंत्रित नहीं किया जा सकता। इससे विधि

का शासन छलावा बनकर रह जाएगा। भारत में केवल आपातकाल का समय ही कार्यपालिका द्वारा न्यायपालिका के मानमर्दन का काल है। इसके पहले और इसके बाद का काल न्यायपालिका के आदर से भरापूरा है, लेकिन मूल कठिनाई जवाबदेही की है। संविधान सभा में मसौदे पर बहस चल रही थी। सरकार के स्थायित्व और जवाबदेही की बात चली। डॉ. आंबेडकर ने कहा कि 'हमने स्टेबिलिटी (स्थायित्व) के बजाय जवाबदेही (रिस्पांसबिलिटी) को महत्व दिया है।' निर्वाचित सदस्य जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं। निर्वाचित कार्यपालिका विधायी सदनों के प्रति जवाबदेह हैं, पर न्यायपालिका किसी निकाय या संस्था के प्रति जवाबदेह नहीं। उसे भी अपने भीतर जवाबदेही की कोई न्यायिक संस्था का विकास क्यों नहीं करना चाहिए?

विधायन संसद और विधानमंडल का अधिकार है। किसान आंदोलन के दौरान एक नया कुतर्क सामने आया। संसद ने अपनी विधायी क्षमता से कृषि कानून बनाए। कुछ किसान संगठनों ने सरकार पर सलाह न लेने के आरोप लगाए। संविधान में विधि निर्माण के लिए आम जनता से परामर्श की कोई व्यवस्था नहीं है। आंदोलनकारियों से वार्ता के लिए कोर्ट ने समिति बनाई। समिति ने कोर्ट को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। काफी समय बीत गया है। कार्रवाई नहीं हुई। न्याय में विलंब अन्याय कहा जाता है। जजों की कम संख्या सहित अन्य अज्ञात कारणवश महत्वपूर्ण मुकदमों में लंबा समय लगता है। श्रीराम जन्मभूमि मामले में ही इलाहाबाद हाई कोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट को अंतिम फैसला देने में नौ वर्ष लगे।

दल-बदल भारतीय राजनीति की निंदित प्रवृत्ति है। संविधान की दसवीं अनुसूची में दलपरिवर्तन के आधार पर निरर्हता के संबंध में उपबंध है। प्रश्नगत निरर्हता की सुनवाई का कार्य संविधान ने लोकसभा के अध्यक्ष, राज्यसभा के सभापति, विधानसभा, विधान परिषद के सभापति को सौंपा है। पहले ऐसे मुकदमों की सुनवाई समयबद्ध नहीं थी। बाद में कोर्ट ने अध्यक्षों-सभापतियों के लिए तीन माह में ही सुनवाई पूरी करने के निर्देश दिए। शरद यादव के दल-बदल मामले में राज्यसभा के सभापति ने तत्काल फैसला सुनाया, लेकिन कोर्ट में यह मामला काफी समय से लंबित है। सीएए सहित ऐसे ही अनेक महत्वपूर्ण मुकदमे लंबित हैं। भारत के लोग न्यायालयों के प्रति श्रद्धालु हैं। उनकी ऐसी आस्था बनाए रखने के लिए सार्थक कदम उठाए जाने की दरकार है।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता उच्चतर संवैधानिक मूल्य है। संविधान निर्माताओं ने न्यायपालिका को स्वतंत्र बनाए जाने के तमाम रक्षोपाय किए थे। नीति निदेशक तत्वों में न्यायपालिका को कार्यपालिका से पृथक रखना राष्ट्र राज्य के लिए आदेश है। सभी संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता जरूरी है। सभी संस्थाओं के कार्यक्षेत्र की सीमा है। इस सीमा के अतिक्रमण से लोकतंत्र का अंतर्संगीत कुप्रभावित होता है। प्रो. अर्नेस्ट बार्कर लोकतांत्रिक शासन के चिंतक हैं। उन्होंने सही लिखा है कि 'स्वतंत्रता के उपभोग में सामर्थ्य और सद्भावना होनी चाहिए। अपनी अस्मिता होनी चाहिए। दूसरों की अस्मिता के प्रति आदर भी होना चाहिए। यह सब संपूर्ण समाज में होना चाहिए। यह होने पर ही वास्तव में लोकतांत्रिक समाज की प्राप्ति संभव है।' कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को अपने कार्यक्षेत्र में रहना चाहिए। कुछ समय पहले कोर्ट ने दिल्ली के प्रदूषण की सुनवाई के दौरान विशेष प्रकार की गाड़ियों के प्रवेश पर लेवी लगाने के निर्देश दिए थे। कर लगाना न्यायपालिका का क्षेत्र नहीं है। बंगाल चुनाव के बाद भारी हिंसा हुई। न्यायिक सुनवाई में लोगों की उम्मीदें थीं। विषय महत्वपूर्ण था, लेकिन दो न्यायमूर्तियों ने स्वयं को सुनवाई से अलग कर लिया। इसका औचित्य समझ में नहीं आता। मुख्य न्यायाधीश ने वास्तविक लोकतंत्र के विकास के लिए बेशक अच्छी बातें की हैं, लेकिन न्यायपालिका में जरूरी सुधार की आवश्यकता यक्ष प्रश्न है।

उन्होंने इंटरनेट मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर भी टिप्पणी की है। कहा है कि 'नए मीडिया टूल में किसी भी बात को बढ़ा-चढ़ाकर बताने की क्षमता है। वे सही-गलत, अच्छे-बुरे और असली-नकली के बीच फर्क करने में असमर्थ हैं।' उन्होंने ठीक कहा है कि मीडिया ट्रायल मामलों के विचारण में मार्गदर्शक नहीं हो सकते। उन्होंने यह भी कहा कि 'न्यायाधीशों को कभी भी भावुक राय से प्रभावित नहीं होना चाहिए।' उन्होंने कोरोना महामारी पर भी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि 'हमें आवश्यक रूप से खुद से पूछना होगा कि हमने अपने लोगों की सुरक्षा और कल्याण के लिए कानून के शासन का किस हद तक इस्तेमाल किया।' ऐसा आत्मचिंतन समय की मांग भी है।

मध्य प्रदेश में स्कूल फीस की वृद्धि पर तकरार, उलझन में शिवराज सरकार

हाल ही में नीति आयोग ने वर्ष 2020-21 के लिए स्थायी विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के संदर्भ में भारत के 36 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की कार्य निष्पादन रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट के अनुसार जहां समस्त भारत के स्थायी विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के कुल अंक 2019 में 60 से बढ़कर 2020 में 66 तक पहुंच गए हैं, वहीं सभी राज्यों में यह वृद्धि कम या ज्यादा देखने को मिली है। एसडीजी के संदर्भ में शीर्ष पर 75 अंकों के साथ केरल है, जबकि सबसे नीचे 52 अंकों के साथ बिहार है। बिहार इन दो वर्षों में 48 से 52 अंकों तक ही पहुंचा, जबकि असम 49 से बढ़कर 57 अंकों तक पहुंचा। नीचे के पायदान के अन्य राज्यों में झारखंड 50 अंकों से 56 अंक, मध्य प्रदेश 52 अंकों से 62 अंक, राजस्थान 50 अंकों से 60 अंक तक पहुंचे। बंगाल भी 56 अंकों से बढ़कर 62 अंकों तक ही पहुंचा। उत्तर पूर्व राज्यों में मेघालय 52 अंकों से 62 अंकों तक पहुंचा, जबकि अरुणाचल प्रदेश 51 अंकों से 60 अंकों तक पहुंचा। वहीं नगालैंड 51 अंकों से 61 अंकों तक और मणिपुर 59 अंकों से 64 अंकों तक पहुंचा। हालांकि इस बीच कुछ राज्य आकांक्षी से निष्पादक की श्रेणी में आ गए और कुछ अन्य पिछड़े राज्यों का भी कार्य निष्पादन ठीक रहा है, लेकिन अभी भी उनका स्तर बेहतर राज्यों से काफी नीचे है। अभी भी सात राज्य 60 या उससे कम अंक ही प्राप्त कर पाए हैं। छह राज्यों के अंक 60 से अधिक लेकिन 65 से कम हैं। 65 से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले राज्यों को फ्रंट रनर (यानी अगड़े माना गया है)। अभी भी 13 राज्य ऐसे हैं, जिन्हें अगड़े की श्रेणी में आना बाकी है। प्रश्न यह है कि हमारे सभी राज्य अगड़े की श्रेणी में कैसे आ सकते हैं।

देखा जाए तो हमारा देश लंबे समय से क्षेत्रीय आर्थिक असमानताओं से जूझ रहा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के फार्मूले के आधार पर विभिन्न देशों की रैंकिंग उनके मानव विकास के स्तर के आधार पर की जाती है। एसडीजी में कई कारकों को शामिल किया गया है जो मानव विकास सूचकांक में शामिल नहीं थे। मानव विकास सूचकांक में प्रतिव्यक्ति आय, स्वास्थ्य के स्तर और शिक्षा के स्तर को उनके संकेतकों के आधार पर शामिल किया गया था। वर्तमान में एसडीजी में 17 लक्ष्यों को शामिल किया गया है। इन लक्ष्यों में गरीबी उन्मूलन, शून्य भुखमरी, अच्छा स्वास्थ्य, स्तरीय शिक्षा, लिंग समानता, स्वच्छ जल और सफाई, सस्ती व स्वच्छ ऊर्जा, अच्छा काम और ग्रोथ, समानता, शांति और न्याय हेतु सबल संस्थाएं, जिम्मेदारी पूर्ण उपभोग एवं उत्पादन इत्यादि शामिल हैं। इन लक्ष्यों के कार्य निष्पादन का आकलन करने के लिए 117 संकेतकों का इस्तेमाल किया जाता है। हमारे देश के पिछड़े राज्यों में अधिक जनसंख्या वाले राज्य बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा आदि शामिल थे। कई बार इन राज्यों (बिहार, मध्य प्रदेश, असम, राजस्थान, उत्तर प्रदेश) के नामों को जोड़कर 'बीमारू' राज्य भी कहा जाता रहा है। यदि इन 'बीमारू' राज्यों के पिछले तीन दशकों का आकलन करें तो वर्ष 1990-91 से 2004-05 के बीच बिहार की ग्रोथ रेट माइनस एक प्रतिशत, मध्य प्रदेश की 1.78 प्रतिशत, असम की 3.18 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश की 2.79 प्रतिशत ही रही। लेकिन राजस्थान की ग्रोथ 5.11 प्रतिशत और ओडिशा की 5.52 प्रतिशत रही। अगड़े राज्यों की ग्रोथ इस दौरान 6.03 प्रतिशत, जबकि पिछड़े राज्यों की मात्र 2.7 प्रतिशत ही रही। लेकिन 2004-05 से 2019-20 के दौरान पिछड़े राज्यों की ग्रोथ सम्मानजनक रही। बिहार में जीडीपी ग्रोथ 8.6 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 7.9, उत्तर प्रदेश में 6.5, राजस्थान में 6.9, ओडिशा में 5.9 और झारखंड में 6.7 प्रतिशत की दर से दर्ज की गई। यह भी सच है कि चूंकि इन राज्यों में प्रतिव्यक्ति आय बहुत कम है, इसलिए तेज आर्थिक संवृद्धि के बाद भी प्रतिव्यक्ति आय की दृष्टि से ये राज्य अभी भी बहुत पीछे हैं, जिस कारण वहां के लोगों में गरीबी, भूखमरी अधिक है। एसडीजी के संदर्भ में उत्तर प्रदेश दो ही वर्षों में 42 अंकों से बढ़कर 60 तक पहुंचा। ऐसा इसलिए है कि यहां विद्युतीकरण शत प्रतिशत और एलपीजी कनेक्शन लगभग सभी परिवार को दिया जा चुका है। साथ ही बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था के कारण उत्तर प्रदेश के अंक 25 से बढ़कर 60 हो गए हैं। स्वच्छ जल एवं सफाई व्यवस्था में भी उत्तर प्रदेश के अंक दो वर्षों में 55 से 85 पहुंच गए हैं। शांति, न्याय और सबल संस्थाओं के संदर्भ में भी इस राज्य के अंक 61 से बढ़कर 79 तक पहुंच गए हैं। देखा जाए तो चाहे 17 कारकों में से उत्तर प्रदेश का कार्यनिष्पादन सिर्फ पांच कारकों में ही उल्लेखनीय रूप से बेहतर हुआ है, लेकिन इन्हीं कारकों के कारण इस राज्य को संयुक्त अंकों में 11 अंकों की बढ़त हासिल हुई है। यानी अन्य कारकों में भी यदि बेहतरी होती है तो उत्तर प्रदेश अगड़े राज्यों में आ सकता है। गौरतलब है कि जैसे-जैसे प्रतिव्यक्ति आय बढ़ती है, सरकार का राजस्व भी बढ़ता है, जिसके चलते शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाओं में बेहतरी संभव है।

पाकिस्तान की दोहरी चाल

अफगानिस्तान में तालिबान का बढ़ता हुआ कब्जा न केवल वहां की अशरफ गनी सरकार और आजाद ख्याल जनता के लिए बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों में यकीन रखने वाले दुनिया भर के लोगों के लिए चिंता की बात है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) की विदेश मंत्रियों की बैठक में अफगानिस्तान को लेकर कोई सर्वमान्य फॉर्म्युला निकालने की जरूरत बताई। अब तक अफगानिस्तान में शांति स्थापना के जितने प्रयास हुए हैं, उन सबमें पाकिस्तान शामिल रहा है। इस बीच, वह तालिबान लड़ाकों का समर्थन भी करता रहा है। खबर है कि न केवल पाकिस्तानी फौज के वरिष्ठ और अनुभवी ऑफिसर उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं बल्कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी भी इन हमलों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। तालिबान ने अगर हेरात में सलमा डैम पर मोर्टार से हमला किया तो उसे इसी संदर्भ में देखना होगा। इसे आधिकारिक तौर पर %अफगान-भारत फ्रेंडशिप डैम% कहा जाता है। इस डैम के लिए पैसा भारत ने लगाया था। इससे अभी 42 मेगावॉट बिजली पैदा होती है और करीब 75 हजार एकड़ जमीन की सिंचाई भी।

माना जाता है कि भारत और अफगानिस्तान की इस दोस्ती के प्रतीक को पाकिस्तान पसंद नहीं करता और वह तालिबानों से इस पर हमला करवा रहा है। 2017 में भी इस डैम पर तालिबान विद्रोहियों ने हमला किया था। ऐसे में यह बात आसानी से समझी जा सकती है कि तालिबान और अफगान सरकार के बीच सुलह करा कर बीच की कोई राह निकालने में पाकिस्तान की कितनी दिलचस्पी होगी। चीन, रूस और ईरान जैसे आसपास के देश भी तालिबान के साथ अपने स्तर पर बातचीत कर रहे हैं। इनके अपने हितों का एडजस्टमेंट भर हो जाए तो ये तालिबान की राह रोकने की जहमत मोल नहीं लेंगे। और, जैसे कि संकेत हैं कम से कम शुरुआती दौर में, समूचे देश पर पूरी तरह कब्जा होने तक तालिबान इन देशों को आश्वस्त करने में नहीं हिचकेंगे। मगर सवाल शुरुआती दौर का नहीं है। एक बार सत्ता पर काबिज हो जाने के बाद क्या तालिबान अपनी धार्मिक कट्टरपंथी सोच से तौबा कर लेंगे? अगर नहीं तो वे दुनिया भर में इसे फैलाने के घोषित-अघोषित लक्ष्य को किसी न किसी रूप में पूरा करने की कोशिश करेंगे। यही वह बिंदु है, जहां से अफगानिस्तान के वैश्विक आतंक का नया केंद्र बनकर उभरने का खतरा है। यही वजह है कि अमेरिका में ऐसी आवाजें अभी से उठने लगी हैं कि जल्दबाजी में सैन्य वापसी का जो बाइडन का फैसला सब पर भारी पड़ सकता है और यही वजह है कि अन्य देशों को भी तात्कालिक, संकीर्ण हितों से ऊपर उठकर अफगानिस्तान में शांति के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना पर जोर देना चाहिए।

ग्रीस के जरिये भारत का भूमध्यसागरीय राजनय, दोनों देशों के बीच संबंधों की पृष्ठभूमि

भारत ने जिस तरह से क्षेत्रीय स्थिरता के लिए साइप्रस और लीबिया का उल्लेख करते हुए ग्रीस से चर्चा की और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांतों की शुचिता बनाए रखने की बात की, उससे साफ है कि तुर्की को भी भारत एक संदेश देना चाहता था। तुर्की की सरकार को डर है कि पूर्वी भूमध्यसागर का इस्तेमाल तुर्की को अलग-थलग करने की कोशिशों में किया जा रहा है। ग्रीस और साइप्रस ने यूरोपीय संघ से तुर्की की कार्रवाई के खिलाफ समर्थन की मांग की है और इनके साथ ही तुर्की के क्षेत्रीय विरोधी भी इस मुहिम में शामिल हो गए हैं।

पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र में भारत के राजनय को अधिक मजबूती देने और अपेक्षित परिणामों की प्राप्ति के लिए पिछले 18 वर्षों में पहली बार किसी भारतीय विदेश मंत्री ने ग्रीस की यात्र की है। ग्रीस के साथ भारत के रिश्ते मजबूत हों, इसके लिए भारत सरकार के मन में यह चल रहा था कि ग्रीस के साथ भारत के संबंधों को सामरिक साझेदारी के स्तर पर पहुंचाया जाए और हाल ही में भारतीय विदेश मंत्री की ग्रीस यात्र के दौरान दोनों देशों में यह सहमति बनी कि वर्तमान विश्व और क्षेत्रीय राजनीति की भू-राजनीतिक, भू-सामरिक और भू-आर्थिक सच्चाइयों को देखते हुए दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की जाए।

हाल ही में जब भारत के विदेश मंत्री द्वारा ग्रीस से चर्चा शुरू हुई तो उसके कुछ सकारात्मक परिणाम निकल कर आए। सबसे महत्वपूर्ण परिणाम यह आया कि ग्रीस ने भारत के नेतृत्व वाले 'इंटरनेशनल सोलर अलायंस' में शामिल होने की घोषणा की। ग्रीस का यह निर्णय इस लिहाज से अहम है कि इससे चीन के साथ ग्रीस के एनर्जी पार्टनरशिप को सही दिशा देने का एक नैतिक दबाव भी पड़ेगा, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय सौर संगठन एक नियम आधारित और बेहतर सार्थक लक्ष्यों वाला संगठन है। इंटरनेशनल सोलर अलायंस के बीजिंग स्थित ब्रिक्स के न्यू डेवलपमेंट बैंक के साथ ऊर्जा साझेदारियां होती रही हैं। ऐसे में ग्रीस भारत के वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा विजन में सहयोग दे सकेगा। भारत वैश्विक ऊर्जा ग्रिड की भी संकल्पना पेश कर चुका है। ग्रीस और उसके पड़ोस के राष्ट्रों में भारत की सोच को समर्थन, सम्मान मिले, इसके लिए विकसित हो रहे भारत ग्रीस संबंध काफी महत्वपूर्ण हैं।

ग्रीस यूरोप में चीन का महत्वपूर्ण आर्थिक सामरिक सहयोगी रहा है। दोनों देशों के बीच रिश्ते हाल के वर्षों में काफी मजबूत हुए हैं। यूरोप में चीन के 'बेल्ट रोड' पहल की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में ग्रीस है। ग्रीस ने अपने पीरियस बंदरगाह को चीन द्वारा संचालित करने की मंजूरी भी दे दी है। चीन के शिपिंग फर्म कोस्को को 2016 में इस बंदरगाह में सर्वाधिक हिस्सेदारी भी मिली थी। यह बंदरगाह एशिया और यूरोपीय महाद्वीपों के मध्य सामरिक महत्व की जगह पर अवस्थित है। भारत के विदेश मंत्री ने ग्रीस के विदेश मंत्री के साथ इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र, साइप्रस और लीबिया में घटित घटनाओं पर चर्चा की और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रयासों को खोजने पर बल दिया। दोनों देश इस बात पर सहमत हुए कि विधि के शासन, संप्रभुता और प्रादेशिक अखंडता के प्रति सम्मान के महत्व को राष्ट्र समझें। कट्टरता, हिंसक उग्रवाद, आतंकवाद और खासकर सीमा पार आतंकवाद के द्वारा सामने आए खतरों की गंभीरता पर दोनों देशों ने बात की और सहमत हुए कि इस संबंध में मिल-जुल कर कार्य करने की जरूरत है।

ग्रीस ने भारत की संयुक्त राष्ट्र में स्थायी सदस्यता का समर्थन किया और साथ ही संयुक्त राष्ट्र की संरचना और कार्यों में अपेक्षित सुधारों के लिए भी अपनी मंशा जाहिर की। भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता को पाने के लिए प्रयास में लगा है, पर उसे चीन और उसके कॉफी क्लब समेत कई अन्य देशों के विरोध का सामना करना पड़ता है। दरअसल कॉफी क्लब के सदस्य नहीं चाहते कि जी-4 देश सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बन पाएं। यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस जिसे कॉफी क्लब भी कहते हैं इसमें 12 देश शामिल हैं। इसमें मुख्य हैं, पाकिस्तान, तुर्की, इटली, मेक्सिको, अर्जेंटीना, इजिप्ट, स्पेन। सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता में विस्तार का ये देश विरोध करते हैं। भारत के विदेश मंत्री ने ग्रीस के साथ भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक वास्तविकताओं पर चर्चा की। भारतीय राजनय की यही कुशलता है कि इस चर्चा के दौरान भारत ने ग्रीस को इंडो पैसिफिक स्ट्रेटेजी और विजन के महत्व को इस प्रकार समझाया कि ग्रीस ने भारत के साथ इंडो पैसिफिक विजन पर हस्ताक्षर कर दिया। भारत ने ग्रीस को जिस रूप में मुक्त, खुले, समावेशी और सहयोगी इंडो पैसिफिक रणनीति के बारे में अपनी राय व्यक्त की, उसका असर ग्रीस पर पड़ा। अभी कुछ समय पूर्व ही ग्रीस और उसके पड़ोसी तुर्की के बीच सागरीय क्षेत्र के स्वामित्व को लेकर विवाद हो गया था। तुर्की ने ग्रीस के अनन्य आर्थिक क्षेत्र पर अपना दावा कर दिया था और ग्रीस ने कहा था कि संयुक्त राष्ट्र सागरीय नियमों व कानूनों के तहत उस पर ग्रीस का ही अधिकार है। निश्चित रूप से भारत जिस प्रकार सभी देशों की सागरीय संप्रभुता और स्वायत्तता का समर्थन करता रहा है, ग्रीस भारत की उस उच्च कोटि की प्रतिबद्धता से परिचित रहा है। भारत ने अपने मजबूत सामरिक साझेदार ब्रिटेन की नाराजगी को न देखते हुए कुछ समय पहले चागोस द्वीप पर मॉरीशस के जायज हक का समर्थन किया था। ग्रीस के भी जायज सागरीय हक में भारत अपनी आवाज उठा सकता है, ऐसा ग्रीस को लगता है। नाटो सदस्य ग्रीस और तुर्की के बीच ऊर्जा संसाधनों पर कब्जे को लेकर पिछले कुछ समय से युद्ध जैसे हालात पैदा हो गए हैं। ऐसे हालात तब भी पैदा हुए थे जब पिछले साल ग्रीस ने एक छोटे मगर रणनीतिक रूप से बेहद अहम द्वीप कास्टेलोरिजो में अतिरिक्त सैन्य बल भेज दिया था। वर्ष 1982 के 'यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन द लॉ ऑफ द सी' के हिसाब से ग्रीस को दोनों देशों के बीच के और विवादित द्वीप साइप्रस के आसपास भूमध्यसागर में ज्यादा हिस्सा मिलता है। तुर्की इस बात को भी नहीं मानता। पूर्वी भूमध्यसागर में तुर्की का एक अहम रुख पूर्वी भूमध्यसागरीय गैस फोरम से इसे बाहर रखे जाने को लेकर है। इस फोरम का गठन जनवरी 2019 में कायरो में हुआ था और इसे 'भूमध्यसागरीय गैस के ओपेक' की संज्ञा दी गई थी। इस फोरम में ईजिप्ट, ग्रीस, साइप्रस, इजरायल, इटली, जॉर्डन और फिलिस्तीन शामिल हैं। ग्रीस के पड़ोस में स्थित साइप्रस में माहौल तब तनावपूर्ण हो गया था, जब तुर्की ने 1974 में अपनी सेनाओं द्वारा साइप्रस पर किए गए हमले की वर्षगांठ मनाने की योजना बनाई। साइप्रस और यूरोपीय संघ ने तुर्की से आग्रह किया था कि वह इस क्षेत्र में ऐसा करके तनाव न पैदा करे। यहां तनाव इसलिए भी बढ़ता दिख रहा था, क्योंकि तुर्की के राष्ट्रपति ने उत्तरी साइप्रस जिसे टर्किश रिपब्लिक ऑफ नॉर्दर्न साइप्रस के रूप में भी जानते हैं, उसकी यात्र करने और नॉर्दर्न टर्किश साइप्रस इकाई के अस्तित्व में आने की वर्षगांठ मनाने का निर्णय किया।

भारत ने जिस तरह से क्षेत्रीय स्थिरता के लिए साइप्रस और लीबिया का उल्लेख करते हुए ग्रीस से चर्चा की और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांतों की शुचिता बनाए रखने की बात की, उससे साफ है कि तुर्की को भी भारत एक संदेश देना चाहता था। तुर्की की सरकार को डर है कि पूर्वी भूमध्यसागर का इस्तेमाल तुर्की को अलग-थलग करने की कोशिशों में किया जा रहा है। ग्रीस और साइप्रस ने यूरोपीय संघ से तुर्की की कार्रवाई के खिलाफ समर्थन की मांग की है और इनके साथ ही तुर्की के क्षेत्रीय विरोधी भी इस मुहिम में शामिल हो गए हैं। इस बीच भारत में अनुच्छेद 370 और कश्मीर मुद्दे पर तुर्की का हठधर्मी रवैया भारत के खिलाफ और पाकिस्तान चीन जैसे देशों के पक्ष में रहा है, इसलिए भारत ने भी तुर्की को परोक्ष रूप से ही सही, लेकिन उस पर दबाव बनाने की कोशिश की है। तुर्की जिस तरह से अफगानिस्तान में भी रुचि ले रहा है और जिस तरह अब वहां के 100 से अधिक जिलों को तालिबान ने अपने कब्जे में ले लिया है,

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

खंडवाः अविवाहित युवती ने प्रसव के बाद नवजात को फेंका

खंडवा। खंडवा में अविवाहित युवती ने बीच सड़क पर नवजात को जन्म दे दिया। युवती को परिवार वाले गर्भपात कराने ले जा रहे थे। प्रसव के बाद युवती नवजात को झाड़ियों में फेंक गई। ग्रामीण रास्ते पर निकले तो झाड़ियों से नवजात की चीखें सुनाई दीं। ग्रामीणों ने उसे उठाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालत नाजुक है। पुलिस ने ग्रामीणों की शिकायत पर शनिवार सुबह 3 लोगों को हिरासत में लिया है। जिनसे पूछताछ जारी है। गुरुवार देर शाम की पंधाना थाना क्षेत्र के गांव घाटाखेडी और देवनालिया के बीच की घटना है।

श्योपुरः बाढ़ राहत कार्यों में बरती लापरवाही, तहसीलदार निलंबित

श्योपुर। चंबल संभागायुक्त अशीष सक्सेना ने श्योपुर जिले के वीरपुर के तहसीलदार वीर सिंह अवासिया को श्योपुर जिले में अगस्त के प्रथम सप्ताह में हुई अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावितों को राहत राशि वितरण में लापरवाही बरतने शनिवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इससे पहले भी अवासिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। किन्तु इनके कार्य में कोई सुधार नहीं होने के कारण यह कार्रवाई कलेक्टर श्योपुर के प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। चंबल संभाग के आयुक्त श्री सक्सेना ने बताया कि तहसीलदार वीरपुर का कृत्य पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने का प्रथम दृष्टया दोषी पाये जाने से निलंबन की कार्रवाई की गयी है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय श्योपुर जिला कलेक्ट्रेट रहेगा।

मुरैनाः घर में घुसकर मारी गोली से पत्नी की मौत, पति बाल-बाल बचा

मुरैना। सुमावली थाना क्षेत्र के अटा गांव में की गई गोलीबारी से बीती रात एक महिला की मौत हो गई। इस दौरान महिला का पति बाल-बाल बचा। इस सिलसिले में पुलिस ने चार नामजद आरोपियों सहित कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हालांकि फिलहाल किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। घटना शुक्रवार की रात लगभग 9:30 बजे की बताई गई है। अटा गांव निवासी बृजेश जादौन शुक्रवार की रात घर के भीतर कुर्सी पर बैठा था। उसी के पास पत्नी सुनीता भी बैठी थी। तभी अचानक आरोपियों ने घर के भीतर दाखिल होकर बृजेश पर निशाना साधते हुए गोली चलाना शुरू कर दिया। गोली की आवाज सुनकर सुनीता देखने के लिए खड़ी हुई तभी एक गोली सुनीता को लगी और वह मौके पर ही गिर गई। परिजन उसे उपचार के लिए ले जा पाते उससे पहले ही मौके पर ही मौत हो गई।

इंदौरः केंद्रीय जेल में बंदी ने गला काटकर की आत्महत्या

इंदौर। इंदौर की केंद्रीय जेल में शनिवार की सुबह आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक 48 वर्षीय बंदी द्वारा आत्महत्या कर लेने का मामला सामने आया है। जेल अधीक्षक राकेश भांगरे ने बताया कि अनिल वीर सिंह यादव ने खुद का गला काटकर आत्महत्या कर ली है। अनिल ने जबलपुर जिले के नरसिंहपुर में एक हत्या की घटना को अंजाम दिया था। वहां की स्थानीय अदालत ने वर्ष 2019 में आजीवन करावास की सजा सुनाई थी। कैदी को 2019 में ही नरसिंहपुर जेल से इंदौर स्थांतरित किया था। सुबह बढ़ई कारखाने में काम करने के दौरान वुड कटर मशीन से खुद का गला काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जेल अधीक्षक ने बताया कि कैदी जिस हत्या के मामले में दोषी था। उस मामले में भी उसने वुड कटर मशीन का उपयोग कर एक व्यक्ति की गला काट कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जगदलपुरः पिकअप-ऑटो की भिड़ंत में चार की मौत, तीन घायल

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के भानपुरी थाना क्षेत्र के चमिया गांव में पिकअप और आटो के बीच हुई भीषण भिड़ंत में 2 लड़कियों समेत 4 महिलाओं की मौत हो गई। वहीं आटो चालक और अन्य दो महिलाएं गंभीर घायल हो गईं, जिन्हें डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार ग्राम चमिया-देवड़ा रोड में ऑटो और पिकअप के बीच टक्कर हो गई। घटना के वक्त ऑटो में चालक और 6 महिलाएं सवार थीं, जिनमें से 2 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। शेष पांचों घायलों को सिविल अस्पताल भानपुरी लाया गया, जहां इलाज के दौरान दो लड़कियों की मौत हो गई। मृतकों में मतीबाई कश्यप (50), सनी बाई कश्य (60), कुमारी जानकी कश्य (15), कुमारी फूलमती मौर्य (22) शामिल है।पुलिस ने बताया की हादसे में ऑटो चालक और अन्य दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हैं।

दंतेवाड़ाः तीन लाख के इनामी नक्सली ने किया समर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में भैरमगढ़ एरिया कमेटी के अंतर्गत माटवाड़ा एलओएस डिप्टी कमांडर महेश मड़काम ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार नक्सली महेश ने समर्पण किया। महेश मड़काम निवासी दरभा जिला कुटरू निवासी पर तीन लाख का इनाम घोषित था। लोन वर्राटू अभियान से प्रेरित होकर उनसे आत्म समर्पण किया, इस अभियान में अंतर्गत अभी तक कुल 404 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। महेश वर्ष 2018 में तिम्मेनार मुठभेड़ और वर्ष 2019 में हुर्रेपाल मुठभेड़ जैसे घटनाओं में शामिल था। वहीं सुकमा जिले में एक लाख का इनामी नक्सली रवा गंगा की गिरफ्तारी की गई। इसकी पुष्टि एसपी सकमा सनील शर्मा ने की है।

मूंग खरीदी में गड़बड़ी, तीन कर्मियों को हटाया

रायसेन के देवरी खरीदी केंद्र का मामला

- समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी में सैंपल पास-फैल का चल रहा था खेल
- नमी के नाम पर तौली जा रही थी 750 ग्राम मूंग अधिक

रायसेन/बरेली, (एजेंसी)। देवरी के खरीदी केंद्र पर समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी के दौरान किसानों से नमी के नाम पर 750 ग्राम अधिक मूंग प्रत्येक 50 किलो की बोरी पर अधिक तौली जा रही थी। नमूने पास-फेल के खेल में मिलीभगत राशि वसूलने की शिकायतें किसानों द्वारा की जा रही है। देवरी के एक केंद्र पर किसानों ने हंगामा किया तहसीलदार गोस्वामी ने मौके पर पहुंच कर जांच की। जांच सही पाए जाने पर कलेक्टर के निर्देश पर दो सर्वेयर करूणेश राय एवं महेन्द्र मालवीय को हटाने के आदेश हुए उपायुक्त सहकारिता ने सह. समिति के आपरेटर को पद से हटा दिया।

देवरी, उदयपुरा, बरेली, खरगौन, बाड़ी क्षेत्र में बने उपार्जन केन्द्रों पर किसान लगातार बारिश के बीच केन्द्रों पर मूंग ला रहे है। भौडिया सहित अन्य केन्द्रों पर मूंग की खरीद, तौल प्रक्रिया धीमी होने से किसानों की ट्रैक्टर-ट्रालियां सड़कों किनारे लाइनें लगा कर खड़ी और यातायात में बाधा बनती रहती है। बारिश से चहुओर नमी कीचड़, हवाओं में भारी नमी होने से मूंग में तेजी से नमी बढ़ जाती है।

नान एफएक्यू मूंग की खरीद

जिस प्रकार देवरी में मूंग खरीदी के दौरान मनमानी, अधिक मूंग तौलना जांच में सही पाया गया। यदि विभिन्न केन्द्रो पर खरीदी गई मूंग की निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच की जाए तो मूंग की खरीदी में विभिन्न प्रकार की अनिमित्ताओं के साथ नान एफएक्यू मूंग खरीदी के मामले उजागर हो सकते है। पिछले दिनों में मूंग खरीदी, सेम्पल पास फेल और मेसेज भेजने में किसानों से राशि मांगने वसूलने और विभिन्न प्रकार से परेशान करने शिकायतो में कितना दम था सामने आए जाएगा। सर्वेयरो, खरीदी केन्द्र और गोदाम के जिम्मेदारों की भूमिका भी उजागर होने की उम्मीद है।

अत्याधुनिक एयरपोर्ट व आलू अनुसंधान केंद्र दोनों जरूरी : केंद्रीय मंत्री तोमर

ग्वालियर में आलू अनुसंधान केंद्र की जमीन का लिया जायजा

ग्वालियर, (एजेंसी)। ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट के विस्तार के काम को जल्द जे जल्द मूर्तरूप देने के सिलसिले में आए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शनिवार को यहां आलू अनुसंधान केन्द्र पहुंचकर वस्तुस्थिति समझी।

श्री तोमर ने आलू अनुसंधान केन्द्र की जमीन का जायजा लेने के दौरान कहा कि प्रयास ऐसे हों, जिससे एयर टर्मिनल के विस्तार में कोई बाधा न आए। साथ ही आलू अनुसंधान की गतिविधियां भी बेहतर ढंग से चलती रहें। श्री तोमर ने इस अवसर पर सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक हफ्ते में समन्वित रिपोर्ट प्रस्तुत कर दें, जिससे एयरपोर्ट अथॉरिटी को एयर टर्मिनल के विस्तार के लिए जमीन हस्तांतरित की जा सके। केन्द्रीय मंत्री के भ्रमण के दौरान डीडीजी हॉर्टिकल्चर आईसीएआर एके सिंह और डायरेक्टर

आईसीएआर सीपीआरआई शिमला मनोज कुमार सहित कृषि अनुसंधान परिषद एवं एयरपोर्ट अथॉरिटी के वरिष्ठ अधिकारी, कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, केद्रीय आलू अनुसंधान केंद्र ग्वालियर के अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी किशोर कान्याल समेत अन्य संबंधित अधिकारी भी आलू अनुसंधान केन्द्र में मौजूद थे। आलू अनुसंधान केंद्र की जमीन का जायजा लेने के बाद केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिए कि एयरपोर्ट अथॉरिटी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं जिला प्रशासन के अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर एयर टर्मिनल विस्तार की रूपरेखा को अंतिम रूप दें।

खराब सड़क के कारण ट्रैक्टर से लोकार्पण करने पहुंचे विधायक

छतरपुर, (एजेंसी)। चंदला विधानसभा क्षेत्र के विकास की पोल खोलती तस्वीरें उस वक्त सामने आईं जब क्षेत्रीय विधायक राजेश प्रजपाति और डीपीसी को एक स्कूल भवन का लोकार्पण करने के लिए जाना था।

विधायक को क्षेत्र के ग्राम हिरदेपुरवा में नवनिर्मित स्कूल भवन का लोकार्पण करने जाना था, लेकिन गांव तक पहुंच मार्ग न होने के कारण विधायक और डीपीसी रमेश लखेर को ट्रैक्टर का सहारा लेना पड़ा, क्योंकि कार इस रास्ते से नहीं जा पा रही थी। ट्रैक्टर भी स्कूल तक नहीं पहुंचा और बाद में कुछ दूर तक विधायक सहित अन्य अधिकारियों को पैदल भी चलना पड़ा। इस मौके पर स्थानीय लोगों ने विधायक पर तंज कसते हुए उनसे एक सवाल किया कि उनको आने में कोई दिक्कत तो नहीं हुई। इस पर विधायक मौन रह गए। हालांकि विधायक ने बाद इतना जरूर कहा कि यदि गांव वाले सड़क के लिए अपनी जमीन देने के लिए तैयार हों तो मैं सड़क बनवाने का प्रयास करूंगा।

रायसेन जिले की बेटी ने 20 हजार फीट ऊंची चोटी पर लहराया तिरंगा

रायसेन, (एजेंसी)। जिले के सलामतपुर से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित छोटे से गांव सेमरी की बेटी ने हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्र में माउंट यूनम पीक पर तिरंगा फहराकर जिले का नाम रोशन किया है।

सेमरी निवासी आजाद सिंह यादव की बेटी अंजना यादव ने हिंदुस्तान एडवेंचर फाउंडेशन द्वारा लांघने वाली अंजना यादव कबड्डी, सॉफ्ट बॉल, हैंड बॉल की भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। इन खेलों में राज्य स्तर पर खेल चुकी हैं। भोपाल के एक निजी कॉलेज से बीटेक कर रही अंजना जिले के एक छोटे से गांव से बड़ी पर्वतारोही के रूप में पहचान बनाने में कामयाब हुई हैं। अंजना का कहना है कि लक्ष्य चाहे जो भी हो उसको भेदने के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति की ज़रूरत होती है। इसमें यह मायने नहीं रखता कि लक्ष्य को भेदने वाला स्त्री है या पुरुष। 10 से 17 अगस्त तक चले इस अभियान में 13 सदस्य शामिल थे। लेकिन इनमें से दस सदस्य ही पीक तक पहुंच सके।

प्रदेश में वर्षा का दौर जारी, चार जिलों में अतिभारी बारिश का अलर्ट

मंडला में एक बांध में आई दरार एतियातन दो गांव खाली कराए

भोपाल, (एजेंसी)। मानसूनी सिस्टमों के प्रभाव से प्रदेश में जारी वर्षा के दौर के बीच अगले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के पश्चिमोत्तर में स्थित धार, रतलाम, उज्जैन और देवास जिलों में भारी से अति भारी बारिश का 'ओरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। मंडला जिले के घुघरी क्षेत्र में स्थित बरवानी बांध की दीवार में दरार आ जाने के बाद प्रशासन द्वारा एहतियातन दो गांवों को खाली कराया गया और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ ही क्षतिग्रस्त बांध की दीवार को दुरुस्त कराने का कार्य भी युद्धस्तर पर प्रारंभ कराया गया है।

विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) 35वीं बटालियन के कमांडेन्ट अभिजीत रंजन ने शनिवार को बताया कि जिले के घुघरी क्षेत्र के बरवानी बांध की दीवार में शुक्रवार रात दरार आ गयी थी। इसके बाद जिला प्रशासन द्वारा शनिवार सुबह एहतियातन निचले इलाकों के दो गांवों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा गया है। इसके साथ ही बांध के पानी को भी परिवर्तित रास्ते से निकाला जा रहा है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में हैं।

जिला कलेक्टर हर्षिका सिंह ने सुबह घुघरी क्षेत्र के बरवानी डेम का निरीक्षण किया और एहतियातन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने और डेम के क्षतिग्रस्त हिस्से में युद्ध स्तर पर सुधार कार्य कराने के दिए निर्देश दिए थे।

देवास में जोरदार बारिश से कालीसिंध और शिप्रा नदी उफान पर, उज्जैन में मंदिर डूबे

उज्जैन/देवास। देवास में पिछली रात से जोरदार बारिश का दौर जारी है। जिसके चलते कालीसिंध और शिप्रा नदी उफान पर है। शहर की दुकानों, कालोनियों और बस्तियों के घरों में बारिश का पानी घुस गया है। जिसके कारण आम लोगों को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। इधर उज्जैन में कई मंदिर पानी में डूब गए हैं जबकि पुल टूट जाने से कई गांवों का संपर्क टूट गया है। शुक्रवार रात उज्जैन शहर अंचल में 26 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है जिसके बाद शिप्रा नदी में तीसरी बार उफान देखा जा रहा है वहीं कई इलाकों में पानी भर आया है। जबकि मंदिर परिसर पानी में डूब गए हैं। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश का कहर देखने को मिला। ग्राम जामगोद में दो लोग नाले में बह गए। एक को ग्रामीणों ने बचा लिया जबकि दूसरे युवक की डूबने से मौत हो गई। इसी तरह ग्राम मेंढकी में एक कार नाले में बह गई। कार चालक ने तैर कर अपनी जान बचा ली। इसके अलावा देवास से गांव नापाखेड़ी देवास बनी पुलिया टूट गई है। जिससे नापाखेड़ी गांव से देवास का संपर्क पूरी तरह से टूट गया है। वही रामघाट के के मंदिर के साथ-साथ हाटपिपलिया में तेज बारिश से सिंध नदी उफान पर है।

चीलर बांध में जमा हुआ साढ़े 17 फीट पानी

शाजापुर। जिले में रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है जिसके चलते चीलर बांध का जल स्तर तेजी से बढ़कर करीब साढ़े 17 फीट पर जा पहुंचा है। सिंचाई विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बारिश के लगातार जारी रहने से शनिवार दोपहर 3 बजे तक चीलर बांध का जल स्तर साढ़े 17 फीट के करीब पहुंच गया था। बारिश के चलते ग्रामीण अंचलों के कई नदी नाले भी उफान पर आ गए।

रतलाम की उपजेल से एक और सतना की उपजेल से दो कैदी फरार,तलाश जारी

सतना/रतलाम। मप्र के दो जिलों में शनिवार को 3 कैदी जेल से फरार हो गए। बता दें कि 2 कैदी सतना की उपजेल से और 1 कैदी रतलाम की उपजेल से भाग गए हैं। हालांकि सतना के भागते हुए मुजरिम सीसीटीवी में कैद हो गए। कैदियों को तलाश जारी है।

दरअसल, रतलाम जिले की सैलाना उपजेल में झाबुआ का रहने वाला विचाराधी बंदी जस्सू उर्फ दशरथ अहरण और दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद था। लेकिन शनिवार को जेल के सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर फरार होने में कामयाब हो गया। बताया है कि फरार कैदी जेल प्रशासन अधिकारी के घर के बगीचे की घास उखाड़ रहा था। जहां वह दीवार फांदकर फरार हो गया।

वहीं सतना जिले के मैहर उपजेल की 20 फीट ऊंची दीवार फांदकर चोरी के आरोप में बंद दो कैदी भागने में कामयाब हो गए। उपजेल से फरार होने के बाद दोनों बंदी बाजार से भागते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए है। मुख्य गेट पर तैनात महिला प्रहरी ने बंदियों को रोकने के लिए हवाई फायर भी किया, लेकिन बंदी नहीं रुके नहीं और नौ दो ग्यारह हो गए। दोनों बंदी चोरी के आरोप में 12 अगस्त को जेल भेजे गए थे।

किशोरी ने जन्नत की चाह में फांसी लगाई

इंदौर। एक किशोरी ने जन्नत की चाह में फांसी लगाकर जान दे दी। फांसी लगाने से पहले उसने अपनी मां से पूछा था क्या इमाम हुसैन आज ही के दिन शहीद हुए थे, आज के दिन जिन लोगों की मौत होगी उन्हें जन्नत मिलती है। उसकी मां ने कहा हां ये सच है। उसके कुछ देर बाद किशोरी ने फांसी लगा ली।

चंपाबाग हाथीपाला में किशोरी राबिया पिता इकबाल शेख परिवार के साथ मोहर्रम पर शुक्रवार देर शाम रोजा खोलने बैठी थी। मां ने बेटी की पसंद की खीर भी बनाई थी। रोजा खोलने से पहले किशोरी ने अपनी मां से पूछा था कि क्या आज के दिन मरने वाले को जन्नत मिलती है। हां में जवाब मिलने के बाद किशोरी ने ये कदम उठाया।

वाट्सऐप पर बात करते-करते न्यूड हो गई युवती, वीडियो एडिटेड कर मांगे 50 हजार

ऑफिसर ने फेसबुक पर पोस्ट डालकर जताई नाराजगी

ग्वालियर। एक अफसर को रात 10.45 बजे वाट्सऐप पर एक वीडियो कॉल आई। वीडियो कॉल करने वाली युवती बात करते-करते न्यूड हो गई। कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर एक वीडियो भेजी जाती है। वीडियो में न्यूड लड़की के साथ उनका वीडियो एडिट किया गया था। साथ ही अफसर को धमकाया गया कि यदि वह चाहते हैं कि वीडियो वायरल न करें तो 50 हजार रुपए देने होंगे। इसके बाद उनके वॉटसऐप पर भेजी गई वीडियो डिलीट कर दी गई। इस घटना का जिक्र रात को ही अफसर ने अपने फेसबुक पर किया है।

सहायक भू-अभिलेख अधिकारी (एएसएलआर) रविनंदन तिवारी ने अपने फेसबुक पर अपने पोस्ट में लिखा कि शुक्रवार रात 10.45 बजे उनको 9670425088 नंबर से वीडियो कॉल आया है। जिस पर एक महिला कुछ ही देर में अश्लील प्रदर्शन पर उतर आई तो मैंने कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया। कुछ देर में फिर कॉल करके युवती फिर अश्लील प्रदर्शन करने लगी। दूसरा कॉल डिस्कनेक्ट करने के करीब 20 मिनट बाद मेरे वॉटसऐप पर एक वीडियो आया।

दमोह विधायक की आईडी क्लोन तैयार कर मांगे पैसे

दमोह। दमोह विधायक अजय टंडन की फेसबुक आईडी का क्लोन तैयार कर ठगों ने आईडी से जुड़े लोगों से पैसों की मांग शुरु कर दी। ऐसे में लोगों ने नई आईडी के फर्जी होने पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन कांग्रेस पार्टी से जुड़े लोगों सहित जब आमजन से मैसेंजर पर संदेश भेजकर पैसों की मांग की तो माजरा समझ में आ गया और विधायक को जानकारी दी तो उनकी इस तरह की आईडी ना होने की बात सामने आई। वहीं मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई। विधायक कार्यालय की ओर से यह अपील की गई है कि किसी भी तरह का लेनेदेन ऐसी किसी भी आईडी से ना करें।

आदेश निजी स्कूलों के पालकों की शिकायतों पर जिला समिति को चार सप्ताह में करना होगा निर्णय

बताना होगा पालकों से किस मद में ले रहे फीस

- **जागृत पालक संघ की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला**
- **स्कूल एसोसिएशन की याचिका हुई निरस्त**

इंदौर (एजेंसी)।

जागृत पालक संघ मध्यप्रदेश की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि स्कूलों को यह बताना होगा कि वह पालकों से जो फीस ले रहे हैं वह किस-किस मद में ले रहे हैं, उसके अलग अलग हेड बताना होंगे। यह जानकारी स्कूलों से जिला शिक्षा समिति को लेना होगी इसके बाद स्कूल शिक्षा विभाग मप्र शासन को इस जानकारी को दो सप्ताह में अपनी वेबसाईट पर अपलोड करना होगा। साथ ही अपने आदेश में यह भी कहा है कि अगर किसी पालक को स्कूल से कोई शिकायत है तो वह जिला समिति के पास अपनी शिकायत दर्ज करा सकेगा और समिति को चार सप्ताह में इसका निराकरण भी करना होगा। जागृत पालक संघ के सचिन माहेश्वरी, दीपक शर्मा, विशाल प्रेमी, स्व. देव खुबानी, प्रतीक तागड, धीरज हसीजा की तरफ से एडव्होकेट अभिनव मल्होत्रा और मयंक क्षीरसागर व चंचल गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट में पैरवी की थी।

गौरतलब है कि ट्यूशन फीस के नाम पर स्कूल संचालकों द्वारा पूरी फीस वसुली जाने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। इस मामले में इंदौर के जागृत पालक संघ के अध्यक्ष एडव्होकेट चंचल गुप्ता और सचिव सचिन माहेश्वरी व अन्य सदस्य जो लंबे समय से पालकों के हित में लड़ रहे हैं, सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पालकों को राहत देते हुए कहा कि किसी भी अभिभावक को स्कूल से कोई शिकायत है तो वह जिला समिति के सामने शिकायत करेगा और समिति को चार सप्ताह में इसका निराकरण करना होगा। पूर्व में पालकों के द्वारा की जाने वाली शिकायत पर जिला प्रशासन गंभीर नहीं होता था और अधिकार क्षेत्र नहीं होने का कहकर टाल देते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा। 2020 में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने आदेश दिए थे कि निजी स्कूल केवल ट्यूशन फीस ले सकेंगे।

वर्तमान सत्र की ट्यूशन फीस को लेकर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में लंबित है याचिका

वर्तमान सत्र में भी ट्यूशन फीस के नाम पर ली जा रही पूरी फीस, वर्तमान सत्र में की गई फीस बढ़ोतरी, फीस के कारण पढ़ाई बंद करने, टीसी नहीं देने और परीक्षा परिणाम रोकने जैसी परेशानियों को लेकर जागृत पालक संघ ने अधिवक्ता अभिनव मल्होत्रा के माध्यम से मप्र उच्च न्यायालय जबलपुर में याचिका लगाई है जिस पर सितंबर के प्रथम सप्ताह में सुनवाई होना संभावित है ।

हाईकोर्ट के आदेश की आड़ में पूरी स्कूल फीस ले रहे स्कूल

अधिकांश स्कूल ट्यूशन फीस की आड़ में पूरी फीस ले रहे थे। जिसके चलते जागृत पालक संघ हाईकोर्ट के आदेश की आड़ में पूरी स्कूल फीस ले रहे स्कूलों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। जिसमें यह मांग भी रखी गई की प्रशासन शिकायत पर सुनवाई नहीं कर रहा। इसी दौरान प्रायवेट स्कूल एसोसिएशन ने भी एक याचिका लगाई जिसमें मांग की गई कि सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान प्रदेश के लिए जो फैसला दिया है जिसके अनुसार निजी स्कूल पूरी फीस में से सिर्फ 15 प्रतिशत की कटोती पालकों को देंगे। बाकी पूरी फीस पालकों को देनी होगी। अधिवक्ता मयंक क्षीरसागर ने निजी स्कूलों की इस मांग पर आपत्ति लेते हुए माननीय उच्चतम न्यायालय से निवेदन किया कि पिछला सत्र पूरा बीत चुका है और निजी स्कूल एसोसिएशन ने अपनी याचिका में स्वीकार भी किया है कि वो आदेश को स्वीकारते हुए इस अनुसार फीस ले चुके हैं इसलिए इस समय इस तरह की मांग अनुचित है। सुप्रीम कोर्ट ने उक्त तर्कों से असहमत होते हुए स्कूल एसोसिएशन की याचिका निरस्त कर दी।

कच्चे खाद्य तेल से भरा टैंकर पलटा, ग्रामीणों ने लूटा तेल

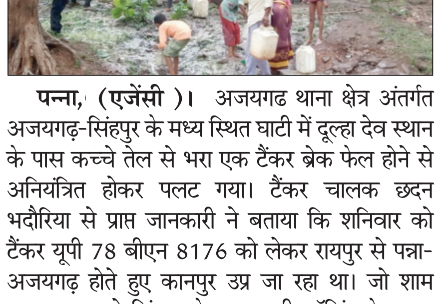

पन्ना, (एजेंसी)। अजयगढ थाना क्षेत्र अंतर्गत अजयगढ़-सिंहपुर के मध्य स्थित घाटी में दूल्हा देव स्थान के पास कच्चे तेल से भरा एक टैंकर ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर पलट गया। टैंकर चालक छदन भदौरिया से प्राप्त जानकारी ने बताया कि शनिवार को टैंकर यूपी 78 बीएन 8176 को लेकर रायपुर से पन्ना-अजयगढ़ होते हुए कानपुर उप्र जा रहा था। जो शाम लगभग 5 बजे सिंहपुर के पास घाटी क्रॉसिंग के समय ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे टैंकर में भरा कच्चा खाद्य तेल नदी जैसी बहने लगा। आसपास के ग्रामीणों ने बहते हुए तेल को जमकर लूटा और प्लास्टिक के डिब्बों, बाल्टियों आदि में भरकर ले गए। टैंकर चालक के अनुसार इस हादसे में टैंकर में लोड 19 लाख रुपए का कच्चा खाद्य तेल आरबीआई बह गया। जिसे ग्रामीणों द्वारा भर कर रख लिया है।

प्रदेश में 25 व 26 को चलेगा वैक्सीनेशन महाअभियान

सीएम ने अभियान को सफल बनाने मंत्री और कलेक्टरों से की वर्चुअली चर्चा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में आगामी 25 और 26 अगस्त को वैक्सीनेशन महाअभियान को सफल बनाने के लिए मंत्रीगण की उपस्थिति में सभी कलेक्टर्स और क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप्स के सदस्यों से वर्चुअल चर्चा की। मुख्यमंत्री ने जन-प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों से मुखातिब होकर विस्तृत निर्देश दिए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि सभी मिलकर इस महाअभियान को कामयाब बनाएं। प्रदेश में वैक्सीनेशन महाअभियान के लिए तैयार की गई रणनीति के अनुसार 25 अगस्त को 20 लाख लोगों को पहला और दूसरा डोज, 26 अगस्त को 10 लाख लोगों को दूसरा डोज प्राथमिकता से देने का निर्णय लिया गया है। अगस्त माह में भारत सरकार से प्राप्त करीब 74.7 लाख डोज में से 73.9 लाख की खपत हो चुकी है। प्रदेश में महाअभियान के लिए आवश्यक डोजेज की व्यवस्था की गई है। प्रदेश की वैक्सीनेशन के लिए पात्र पांच करोड़ 48 लाख 90 हजार आबादी में से तीन करोड़ 32 लाख को प्रथम डोज और 64 लाख 90 हजार आबादी को द्वितीय डोज लग चुका है। देश में मप्र, गुजरात के बाद सर्वाधिक वैक्सीनेशन करने वाला प्रांत है।

उत्सव का वातावरण बनाएं

सीएम श्री चौहान ने कहा वैक्सीनेशन के लिए सबको प्रेरित करें, ये पुण्य का कार्य है। वैक्सीनेशन महाअभियान में आशा और उषा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी ही नहीं अन्य विभाग भी सक्रिय भूमिका निभायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभारी मंत्री इस महाअभियान की तैयारियों पर नजर रखें। उत्सव का वातावरण बनाएं। नागरिक प्रथम डोज लगवाने के बाद लापरवाही बरत रहे हैं। दूसरा डोज न लगवाने से प्रथम डोज का प्रभाव कम हो जाता है।

यह बात आमजन को बताते हुए जन-जागरण का कार्य आवश्यक है। सितम्बर माह तक प्रथम डोज शत-प्रतिशत पात्र आबादी को लग जाए, यह लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जन-प्रतिनिधि सहयोग करेंगे तो अभियान निश्चित ही सफल होगा। आम जनता भी इस महाअभियान से जुड़े और इसे सफल बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन पर टीका लगवाने की बात भाई-बहन याद रखें। रक्षाबंधन पर भाई-बहन परस्पर यह सुनिश्चित करें कि उन्होंने टीका लगवाकर जीवन रक्षा की कोशिश की है या नहीं।

प्रथम महाअभियान में इंदौर अव्वल

प्रदेश में 21 जून से 3 जुलाई के मध्य संचालित प्रथम वैक्सीनेशन महाअभियान में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीन जिलों इंदौर, सीहोर और उज्जैन का रहा है। इंदौर जिले में 21.3 प्रतिशत, सीहोर जिले में 18.2 प्रतिशत और उज्जैन जिले में 16.5 प्रतिशत पात्र आबादी को प्रथम डोज लगाया जा चुका है। इंदौर शहर वैक्सीनेशन में प्रदेश में प्रथम है। यहां 95 प्रतिशत लोग प्रथम डोज और 27 प्रतिशत लोग द्वितीय डोज लगवा चुके हैं। शहरी क्षेत्र में वैक्सीनेशन कार्य अच्छा हुआ है। भोपाल शहर में प्रथम डोज 85 प्रतिशत और दूसरा डोज 25 प्रतिशत लोग लगवा चुके हैं।

मप्र का मॉडल सराहा गया : शर्मा

सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में कोविड के संकट को रोका है। जनता की भागीदारी से यह कार्य आसान हुआ। मप्र के मॉडल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई है। जहां 25 अगस्त को वैक्सीन प्रथम और द्वितीय डोज और 26 अगस्त को वैक्सीन के दूसरे डोज पर फोकस किया जा रहा है। समाजसेवी और कार्यकर्ता पात्र लोगों को वैक्सीनेशन केंद्रों तक लाने के साथ ही उनका सहयोग भी करेंगे।

जोनवार दर्ज कर कॉल सेंटर की शिकायतों का करें निराकरण : तोमर

ऊर्जा मंत्री ने सतना में की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि बिजली विभाग से संबंधित कॉल सेंटर में सतना जिले की शिकायतों की लंबित संख्या अन्य जिले की तुलना में ज्यादा है। उन्होंने बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से कहा कि जोनवार कॉल सेंटर की हर शिकायतों को पंजी में दर्ज कर उनका निराकरण समय पर सुनिश्चित कराएं। ऊर्जा मंत्री शनिवार को सतना में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी संचालन,संधारण वृत्त सतना की विभागीय समीक्षा कर रहे थे। इस मौके पर कलेक्टर अजय कटेसरिया,मुख्य अभियंता रीवा डी कुमार,अधीक्षण यंत्री सतना जीडी त्रिपाठी और सभी विद्युत संभागों के संभागीय अभियंता उपस्थित थे।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि विभाग में अच्छा कार्य करने वाले अधिकारियों,कर्मचारियों को प्रोत्साहित करें। तनाव नहीं ले,शांत मन से काम करें, लेकिन समय पर काम करें। ट्रांसफार्मर और लाईन का मेंटीनेंस सही तरीके से करें। इंसुलेटर और वायर का परीक्षण करें और आवश्यकतानुसार उन्हें बदलें,ताकि विद्युत की आपूर्ति सुचारु रहे। ट्रांसफार्मरों को अर्थिंग सही तरीके से मिलनी चाहिये,ताकि वे लोड पाकर जलें नहीं।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि कॉल सेंटर में अभी भी 25 जुलाई से 20 अगस्त तक की अवधि में सतना जिले की 1353 शिकायतें लंबित दिख रही हैं। कॉल सेंटर की शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करें। कॉल सेंटर से प्राप्त शिकायतों को जोनवार रजिस्टर में दर्ज कर प्रत्येक शिकायत का निराकरण करायें। इसके लिये सहायक यंत्री को जिम्मेदारी देंवे। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि तीन महीने बाद पुनः सतना आकर एक-एक विभागीय गतिविधि की समीक्षा स्वयं करेंगे। तब तक जो भी कमियां हों,उनका सुधार कर लें। इन शिकायतों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा वरिष्ठ अधिकारी निरंतर करेंगे। श्री तोमर ने जिले में नियमित लाईनमैन,संविदा कर्मचारी लाईनमैन एवं आउट सोर्स कर्मचारियों की जानकारी लेते हुये कहा कि लाईनमैन को सुरक्षा के उपकरण, दस्ताने, सीढ़ी, इंसुलेटर एवं अन्य आवश्यक सामग्री पर्याप्त मात्रा में होनी चाहिये।

दिग्गजों ने दी रक्षाबंधन की बधाई

रक्षाबंधन के पर्व पर लें महिलाओं के सम्मान का संकल्प : मंगुभाई पटेल

भोपाल । राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रदेशवासियों को रक्षा-बंधन पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी लोगों से रक्षाबंधन के पर्व पर महिलाओं के सम्मान का संकल्प लेने की अपील की है। राज्यपाल श्री पटेल ने बधाई संदेश में कहा कि भाई-बहन के पवित्र और प्रगाढ़ प्रेम का प्रतीक रक्षा-बंधन पर्व पारिवारिक समरसता की प्रेरणा देता है। सभी भाई-बहन इसे पारस्परिक सम्मान, विश्वास और कल्याण की मंगल कामना के साथ मनाते हैं। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने विश्वास व्यक्त किया है कि भारतीय संस्कृति के इस पर्व से सामाजिक सद्भाव, नारी सम्मान तथा राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत होगी।

25-26 अगस्त को कोविड का टीका अवश्य लगवाएं : शिवराज सिंह

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रक्षाबंधन के पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए अपील की है कि 25 और 26 अगस्त को वैक्सीनेशन महाअभियान में पात्र लोग कोविड से बचाव का टीका अवश्य लगवाएं। श्री चौहान ने कहा कि इस रक्षाबंधन पर स्वास्थ्य की रक्षा का महत्व समझते हुए टीके से सुरक्षा के बंधन को सभी भाई-बहन ध्यान में रखें। रक्षाबंधन हमारी संस्कृति से जुड़ा विशेष पर्व है। वर्तमान दौर में कोविड से बचाव के लिए वैक्सीन लगवाकर जीवन रक्षा की बात सबसे महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि की वैक्सीनेशन जिंदगी का डोज है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी राज्यों को निःशुल्क डोज उपलब्ध करवाकर संजीवनी देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ कोविड से बचाव का टीका नहीं बल्कि इसके माध्यम से व्यक्ति के जीवन की रक्षा की कोशिश की गई है। इस महाअभियान को सभी मिलकर कामयाब बनाएं।

हमारे संबंधों की डोर को मजबूत बनाता है रक्षाबंधन : कमलनाथ

भोपाल । स्नेह के पावन पर्व रक्षा बंधन के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्वों का हमारे सामाजिक जीवन में काफी महत्व है। रक्षा बंधन का यह पावन पर्व, भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है। कमलनाथ ने कहा कि रक्षाबंधन का यह पावन पर्व जहां एक ओर हमारे संबंधों की डोर को मजबूत बनाता है, वहीं दूसरी ओर पारस्परिक स्नेह संबंधों में नई मिठास घोलता है। रक्षा बंधन का यह पर्व भाई-बहनों के आत्मीय संबंधों को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस पावन पर्व के शुभ अवसर पर सभी की उन्नति, प्रगति, खुशहाली की कामना करता हूं।

शिवराज सिंह ने दी ओणम पर्व की बधाई

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नागरिकों को ओणम पर्व की हार्दिक बधाई दी है। यह केरल का प्रमुख पर्व है। मध्यप्रदेश में भी पर्व मनाया जा रहा है। श्री चौहान ने इस अवसर पर ट्वीट कर कहा है कि भगवान विष्णु और राजा महाबली से प्रार्थना है कि खेतों में फसलें सदैव लहलहाती रहें। मुख्यमंत्री ने शुभकामनाएं व्यक्त की हैं कि सभी के जीवन में अपार आनंद, उत्साह, उल्लास और समृद्धि आए।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया वर्चुअली लोकार्पण

5500 एलपीएम क्षमता के 10 ऑक्सीजन प्लांट शुरू

तीसरी लहर के लिए भी हम सजग और तैयार

भोपाल (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को प्रदेश के 10 अस्पतालों में नव स्थापित ऑक्सीजन संयंत्रों का वर्चुअली लोकार्पण किया। लगभग साढ़े छह करोड़ रुपए की लागत वाले इन 10 ऑक्सीजन प्लांट की क्षमता 5500 एलपीएम यानी लीटर प्रति मिनिट ऑक्सीजन उत्पादन की है। लोकार्पित हुए ये प्लांट सीहोर जिले में आष्टा और रेहटी, विदिशा जिले में विदिशा और सिरोंज, खरगोन जिले में खरगोन और बड़वाह, सागर जिले में खुरई के अलावा कटनी, टीकमगढ़ और नरसिंहपुर में स्थापित किए गए हैं। प्रदेश में मार्च 2020 की स्थिति में किसी भी सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट नहीं था। प्रदेश में 190 ऑक्सीजन संयंत्र लगाए जा रहे हैं। इनमें से अभी तक 68 प्लांट्स स्थापित और 65 प्लांट्स क्रियाशील किए जा चुके हैं। सितंबर माह तक शेष सभी प्लांट्स क्रियाशील हो जाएंगे।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश में ऑक्सीजन के क्षेत्र में आत्म-निर्भरता प्राप्त करने के प्रयास जीवन की सौगात की तरह हैं। कोविड के दौर में हम ऑक्सीजन का महत्व समझ चुके हैं। दूसरी लहर में ऑक्सीजन का मतलब था जिंदगी और ऑक्सीजन मिलने में देर होने का मतलब था जीवनलीला की समाप्ति। चौहान ने कहा कि कोविड के संक्रमण की तीसरी लहर नहीं आए, उसके लिए हम सब कटिबद्ध हैं। यदि तीसरी लहर आ भी जाए तो उसके लिए हम पूरी तरह से सजग और तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम वह समय कभी भूल नहीं सकेंगे। न हम सोये, न आप सोये।

शनिवार को भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 10 ऑक्सीजन प्लांट का वर्चुअल लोकार्पण किया। इस अवसर पर सांसद वीडी शर्मा, लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग एवं लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी उपस्थित थे।

प्रदेश में ऑक्सीजन की तत्काल व्यवस्था के लिए उड़ीसा, छत्तीसगढ़, गुजरात और उप्र से ऑक्सीजन बुलवाई गई। इसमें मंत्री, सांसद, विधायक और जन-प्रतिनिधियों सहित सभी ने पूर्ण सहयोग दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पीएम केयर फंड से 88, मुख्यमंत्री राहत कोष से 13, कार्पोरेट सोशल रिस्पांसबिलटी और स्थानीय प्रयासों से 89 संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। इन सभी संयंत्रों से कुल 221 मिट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन का उत्पादन किया जा सकेगा। उत्पादित ऑक्सीजन चिकित्सालयों में स्थापित ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट्स से सीधे मरीजों तक उपलब्ध कराई जा सकेगी।

लोकार्पित ऑक्सीजन प्लांट

स्वास्थ्य संस्था	जिला	उत्पादन क्षमता
सा. स्वास्थ्य केंद्र रेहटी	सीहोर	200 एलपीएम
जिला चिकित्सालय, खरगोन	खरगोन	250 एलपीएम
सिविल अस्पताल आष्टा	सीहोर)	300 एलपीएम
सिविल अस्पताल बड़वाह	खरगोन	500 एलपीएम
जिला चिकित्सालय विदिशा	विदिशा	1000 एलपीएम
जिला चिकित्सालय टीकमगढ़	टीकमगढ़	500 एलपीएम
सिविल अस्पताल सिरोंज	विदिशा	250 एलपीएम
जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर	नरसिंहपुर	1000 एलपीएम
जिला चिकित्सालय, कटनी	कटनी	1000 एलपीएम
सिविल अस्पताल खुरई	सागर	500 एलपीएम

अक्टूबर माह तक सभी जिलों में होगी सीटी स्केन व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भी तय कर लिया है कि अक्टूबर माह तक सभी जिलों में सीटी स्केन की व्यवस्था उपलब्ध होगी। प्रदेश के 30 जिलों में 32 स्लाइस की सीटी स्केन मशीन लगाने के लिए कार्य पूर्णता की ओर है। इसके साथ ही स्वास्थ विभाग के तहत शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में 784 आईसीयू बेड्स क्रियाशील किये गये हैं। सितंबर माह तक 650 अतिरिक्त आईसीयू बेड क्रियाशील होंगे। इन संस्थाओं में 11,156 ऑक्सीजन बेड्स कियाशील किये गये हैं। सितंबर माह तक इनकी कुल संख्या 14,255 हो जाएगी। कोविड-19 परिदृश्य में सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में 2993 आईसीयू बेड्स थे। इनकी संख्या सितंबर तक अतिरिक्त 445 बेड्स मिलाकर 3438 हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सक, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफके पदों की पूर्ति की प्रक्रिया भी लगभग पूरी हो गई है।

कल्याण सिंह के निधन पर शोक संवेदना

कल्याण सिंह के निधन का समाचार दुखद : राज्यपाल

भोपाल । मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे कल्याण सिंह के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री पटेल ने कहा कि कल्याण सिंह के निधन का समाचार दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति और उनके परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

भारतीय राजनीति के लिए बड़ी क्षति : नरोत्तम मिश्रा

प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनका निधन भारतीय राजनीति के लिए ऐसी क्षति है, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती है। श्री मिश्रा ने अपने ट्वीट के जरिए शोक जताया और कहा कि हम सभी के मार्गदर्शक और भाजपा के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह के निधन पर भावभीनी श्रद्धांजलि। उनका निधन भारतीय राजनीति के लिए ऐसी क्षति है, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

श्री राम जन्मभूमि के अखंड साधक को प्रणाम : पवैया

प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता जयभान सिंह पवैया ने यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय राजनीति ने राष्ट्रवाद के लिए जीने वाला एक अप्रतिम योद्धा खो दिया। सन 1993 में अयोध्या आंदोलन में बंदी के नाते उनके साथ जेल में गुजारे दिनों को भुला नहीं पाऊंगा। श्री राम जन्म भूमि मंदिर के अखंड और अटल साधक की दिव्य आत्मा को शत-शत प्रणाम। शांति, शांति, शांति।

मप्र के नूरउद्दीन बोहरा और जोसफ जॉन बने सदस्य

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा

भोपाल । भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। कार्यकारिणी में मध्यप्रदेश से नूरउद्दीन बोहरा को शामिल किया गया है। बोहरा के अलावा जोसफ जान हुकिंस को भी जगह मिली है। खास बात ये है कि दाउदी बोहरा समाज से संभवतः ये पहला मौका है जब किसी को राष्ट्रीय स्तर पर जगह मिली हो। हाल ही में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दिकी ने भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के निर्देशानुसार अल्पसंख्यक मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों की घोषणा की है। राष्ट्रीय कार्यसमिति में मध्यप्रदेश से नूरउद्दीन बोहरा और जोसफ जान हुकिंस को शामिल किया गया है।

मुसलमानों की हिमायती है भाजपा : बोहरा

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्ति राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य नूरउद्दीन बोहरा ने अपनी नियुक्ति पर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी, मध्यप्रदेश भाजपा के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा सहित सभी आला पदाधिकारियों का आभार जताया है। रतलाम जिले के छोटे से गांव ताल में पले बड़े और वर्तमान में जावरा निवासी नूरउद्दीन बोहरा ने कहा कि भाजपा मुसलमानों की हिमायती है। भाजपा ने कभी मुसलमानों को वोट बैंक नहीं समझा। नूरउद्दीन बोहरा ने कहा कि वह संगठन को मजबूत करते हुए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और मध्यप्रदेश की शिवराज सिंह सरकार की अल्पसंख्यक हितैषी नीतियों को हितग्राहियों तक पहुंचाने और उन्हें लाभान्वित करने की दिशा में काम करेंगे।

टैलेंट सर्च-2021 अभियान के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अब 23 अगस्त तक

भोपाल। मध्यप्रदेश में टैलेंट सर्च-2021 अभियान के लिए प्रतिभा चयन कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अब 23 अगस्त तक किया जा सकेगा। पूर्व में अंतिम तिथि 21 अगस्त थी। रजिस्ट्रेशन का कार्य 9 अगस्त को आरंभ हुआ है। प्रतिभावान खिलाड़ी एथलेटिक्स, शूटिंग, वॉटर स्पोर्ट्स (कयाकिंग केनोइंग, रोइंग, सेलिंग, स्लालॉम), कराते, फेंसिंग, बॉक्सिंग, कुश्ती, ताइक्वाडों जूडो, घुड़सवारी, पुरुष हॉकी, ट्रायथलान, महिला हॉकी, बैडमिंटन, तीरंदाजी, पुरुष क्रिकेट, योग और मलखंभ में अपना भविष्य बनाने के लिए इस अभियान में शामिल हो सकेंगे। चयन की प्रक्रिया निर्धारित मापदंडों के अनुरूप और कोविड संबंधी दिशा निर्देशों का पालन करते हुए की जा रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शहरों के साथ ही ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में भविष्य की खेल प्रतिभाओं को तलाशकर तराशने के लिए प्रदेश में 'टैलेंट सर्च 2021' अभियान की घोषणा की है। यह अभियान 24 अगस्त से पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग से हटाए गए संविदा कर्मियों को पुनः सेवा में लिया : स्वास्थ्य मंत्री

भोपाल । लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने बताया कि एनएचएम द्वारा आदेश जारी कर स्वास्थ्य कार्यक्रमों में 24 विभिन्न संवर्ग से पूर्व में पृथक किए गए संविदा कर्मियों को पुनः संविदा सेवा में लिया गया है। उन्होंने बताया कि इनके संविदा सेवा में लेने का प्रशासकीय निर्णय पहले लिया जा चुका था। आज आदेश जारी कर दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने बताया इन संविदा कर्मियों को एनएचएम में संचालित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम में रिक्त पदों के विरुद्ध संविदा सेवा में लिया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा पूर्व में सेवा से पृथक किए गए संविदा कर्मियों के पुनर्नियोजन करने से स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बेहतर क्रियान्वयन होने के साथ संविदा कर्मियों की पुनः संविदा में लेने की मांग पूरी की गई है। संविदा कर्मी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में तेजी लाएंगे और नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

विपक्ष की ताकत तो निरंतर देख रही है भाजपा

मुख्यमंत्री के बयान पर कमलनाथ का जवाब

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा विगत दिवस विपक्षी दलों के साथ की मीटिंग को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कांग्रेस को डूबता जहाज कहने और उस पर सवार होने वालों के भी डूबने की बात पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने ट्वीट कर जवाब दिया है।

नाथ ने अपने ट्वीट में लिखा है कि कांग्रेस का अस्तित्व तो उस समय से है जब शिवराज जी और भाजपा के नेताओं का जन्म भी नहीं हुआ था। कांग्रेस की विचारधारा ने ही वर्षों से सभी को आज तक जोड़े रखा है, कांग्रेस की विचारधारा सब को एक करने की है, वहीं भाजपा की विचारधारा लोगों को बांटने की है। भाजपा की विचारधारा तो किसानों के शोषण की है, युवाओं को बेरोजगार बनाने की है, कोरोना में कुप्रबंधन से लोगों की जान लेने की है, महंगाई बढ़ाने की है। कांग्रेस की विचारधारा ने ही भारत को आजाद कराने में अपना योगदान दिया, देश को इस मुकाम पर पहुंचाया, देश की इतनी संपत्तियां बनाई, जिसको आज भाजपा सरकार रोज बेच रही है। जो लोग देश की आजादी के संघर्ष से गायब रहे, माफीनामा लिखते रहे, वो आज कांग्रेस के अस्तित्व व विचारधारा पर किस मुंह से सवाल उठा रहे हैं। जहां तक विपक्ष की बात है तो विपक्ष की ताकत तो भाजपा निरंतर देख ही रही है और हर जगह मुंह की खा भी रही है। यह भी तय है कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों से जल्द ही पूरे देश से भाजपा की नाव डूबेगी।

गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने डंगराकुआं में 25 बाढ़ पीड़ितों को दी 29 लाख रुपए की सहायता राशि

चिंता न करें, विपदा की घड़ी आपके साथ खड़ी है सरकार

समाजसेवा में दतियावासी हमेशा रहे हैं आगे

भोपाल (एजेंसी)। दतिया वासियों का हमेशा से बड़ा दिल रहा है और वे समाज सेवा के क्षेत्र में सदैव आगे रहे हैं। दतिया वासियों ने हमेशा दिल खोलकर लोगों की सहायता की है। डॉ. मिश्रा शनिवार को जनपद पंचायत दतिया के ग्राम डंगराकुआं में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री एवं राहत राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 25 बाढ़ पीड़ितों के लिए 28 लाख 81 हजार रुपए की राशि भी प्रदान की।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने बाढ़ प्रभावित ग्राम डंगराकुआं पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से चर्चा कर उनका कुशल क्षेम पूछा। उन्होंने कहा कि इस विपदा की घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी है, चिंता न करें। उन्होंने कहा कि एक वर्ष के दौरान जिले के लोगों ने एक नहीं दो-दो विपदाओं का सामना किया है। लेकिन जिले के लोगों के सहयोग एवं धौर्य के कारण हमने इन विपदाओं पर विजय प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि दतिया वासियों ने समाजसेवा के क्षेत्र में हमेशा आगे आकर जरूरतमंद एवं पीड़ितों की मदद कर एक मिशाल पेश की है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि कोरोना काल में भी बाहर से आने वाले लोगों को जिले की सीमा चिरूला पर पूड़ी सब्जी खिलाकर एवं अन्य जरूरत की वस्तुएं प्रदाय की। इसी प्रकार बाढ़ के दौरान भी दतिया वासियों ने पीड़ितों को हरसंभव मदद की है।

बाढ़ पीड़ितों के लिए शासन, प्रशासन सहित जन. सहयोग से जो राहत सामग्री प्रदाय की जा रही है। उसमें 20 किलो आटा, 30 किलो खाद्यान, दो किलो चावल, दाल, महिलाओं के लिए साड़ी, पुरुषों के लिए लुंगी, जूते प्रदाय किए जा रहे हैं। इसके साथ ही पीड़ितों को छह हजार की राशि आवास की अस्थाई व्यवस्था हेतु और जिनके मकान पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं उन्हें मकान निर्माण हेतु एक लाख की राशि एवं 20 हजार रुपए की राशि मजदूरी के रूप में दिए जाएंगे। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रदीप अग्रवाल सहित विभिन्न जन-प्रतिनिधि और पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारी उपस्थित थे।

गृह मंत्री ने मृतक के परिजनों को दी चार लाख रुपए की सहायता

भोपाल । प्रदेश के गृह, जेल, संसदीय कार्य एवं विधि विधायी कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने दतिया में शनिवार को सर्पदंश के एक प्रकरण में हुकुमपुर निवासी नरेश वंशकार की दो अगस्त को मृत्यु होने पर उनके निकटतम वारिस परिजनों को चार लाख चार की सहायता राशि प्रदाय की। इस दौरान प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

कैटरीना कैफ

Vicky Kaushal की सगाई का क्या है सच? सटीक खबर आई सामने

बॉलीवुड का पसंदीदा कपल कैटरीना कैफ (Katrina Kaif) और विकी कौशल (Vicky Kaushal) की सगाई की खबरों ने बीते दिन फैंस को हैरान कर दिया था. फैंस सोच में पड़ गए थे कि बिना किसी आधिकारिक ऐलान के ऐसा कैसे हो गया. सोशल मीडिया पर लोग कैटरीना कैफ और विकी कौशल को बधाई देने लगे थे, लेकिन अब कैटरीना कैफ ने फैंस के सामने इन अफवाहों का सच खोल कर दिया है, जिसके बाद से फैंस का एक्साइटमेंट लेवेल भी थोड़ा कम हो गया है.

नहीं हुई है सगाई

कैटरीना कैफ (Katrina Kaif) और विकी कौशल (Vicky Kaushal) ने सगाई नहीं की है. कैटरीना कैफ ने आधिकारिक तौर पर इन खबरों को खारिज किया है. उन्होंने साफ तौर पर बताया कि इस तरह की सारी खबरें झूठ हैं. साथ ही उन्होंने शादी और सगाई की कोई औपचारिक घोषणा भी नहीं की है. वहीं विकी कौशल की ओर से अभी कोई बयान सामने नहीं आया है. फिलहाल, अब ये साफ हो गया है कि कैटरीना कैफ और विकी कौशल की सगाई नहीं हुई है.

पहले भी की बार आई हैं खबरें

बता दें, कैटरीना कैफ (Katrina Kaif) और विकी कौशल (Vicky Kaushal) की शादी की खूबरें अक्सर आती रहती हैं. बीते महीने भी शादी की तैयारियों की खबरें थीं, जिसे भी अफवाह करार दिया गया था. लंबे समय से दोनों की डेटिंग की खबरें हैं. दोनों ने इस पर कभी बात नहीं की, हमेशा ही बचते नजर आए. विकी कौशल और कटरीना साथ में अक्सर स्पॉट किए जाते हैं. कई बार कैटरीना के घर के बाहर विकी को स्पॉट किया गया. वहीं कुछ इवेंट पर भी दोनों साथ स्पॉट हुए. साथ ही कई सेलिब्रेशन भी दोनों ने साथ में किए हैं.

दोनों के पास कई फिल्में हैं लाइन्ड अप

वर्कफ्रंट की बात करें तो कैटरीना कैफ (Katrina Kaif) इन दिनों कई फिल्मों की तैयारियों में व्यस्त हैं. वो जल्द ही अक्षय कुमार के साथ सूर्यवंशी में नजर आएंगी. वहीं फोन भूत में कैटरीना मुख्स भूमिका में नजर आने वाली हैं. इस फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी और इशान खट्टर लीड रोल में हैं. इसके अलावा वो सलमान खान के साथ टाइगर 3 की शूटिंग कर रही हैं. वहीं विकी कौशल भी कई फिल्मों में नजर आएंगे. दोनों को भी साथ स्क्रीन पर देखने के लिए फैंस बेकरार हैं.

Dance Deewane 3:शहनाज़ गिल और सिद्धार्थ शुक्ला ने डांस दीवाने के मंच पर किया रोमांटिक डांस

डांस दीवाने 3 के अपकमिंग वीकेंड एपिसोड निश्चित रूप से अपनी लव स्पेशल थीम के कारण खूब सुर्खियां बटोर रहा है. इस हफ्तेआने वाला एपिसोड मनोरंजन से भरपूर होगा क्योंकि शो का हर कंटेस्टेंट बेहतरीन परफॉर्मेंस देनें के लिए एक दम तैयार है. आपको बता दें, इस हफ्ते डांस दीवाने के एपिसोड में बिग बॉस के एक्स कंटेस्टेंट सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज़ गिल गेस्ट के रूप में दिखाई देंगे. लेकिन इस से भी मज़ेदार बात ये है कि दोनों हम्मा हम्मा गाने पर अपने रोमांटिक डांस के साथ मंच पर आग लगा देंगे.

डांस दीवाने के आने वाले एपिसोड में देखा जाएगा कि बिग बॉस 13 के कंटेस्टेंट रह चुके शहनाज गिल और सिद्धार्थ शुक्ला शो की शोभा बढ़ाएंगे. उन्हें स्पेशल जज की सीटों पर एक साथ बैठाया जाएगा. प्रोमो में हम देख सकते हैं कि माधुरी दीक्षित शहनाज़ से पूछती हैं कि उनको आदर्श लड़का कौन लगता है, जिस पर वो शरमाते हुए कहती हैं कि उन्हें सिद्धार्थ शुक्ला पसंद हैं. बाद में दोनों का डांस दीवाने के मंच पर एक रोमांटिक डांस भी देखने को मिलेगा.

डांस दीवाने 3 के इस लव स्पेशल एपिसोड में सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज़ गिल के सभी फैन्स के लिए ये खास एपिसोड है. शो के हर कंटेस्टेंट अपने शानदार डांस से सभी का दिल जितेंगे. माधुरी दीक्षित को सबसे अच्छी वो परफॉर्मेंस लगेगी जिसमें एक व्क्युयक्त्तेति और उसके कुत्ते के बीच प्यार और केयर का थीम रखा गया था.

काजोल एक्टिंग छोड़ने का बना रही हैं प्लान! बोलीं- 3 घंटे की मूवी नहीं देख सकती

दुनिया महामारी के बीच अपने काम को आगे बढ़ाने का विकल्प ढूंढ रही है, तो वहीं एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री भी दर्शकों का मनोरंजन सुनिश्चित करने के लिए नए तरीकों को अपना रही है. इस बार वूट ओरिजिनल 'फीट अप विद द स्टार्स 3' (Feet Up With The Stars x) मालिनी अग्रवाल (Malini Agarwal) द्वारा होस्ट किया जा रहा है. यह शो महामारी के दौरान यह सुनिश्चित कर रहा है कि दर्शकों को अपने पसंदीदा सेलिब्रिटी के लाइफ की कुछ झलकियां मिलती रहे और उन्हें करीब और व्यक्तिगत रूप से जानने का मौका मिले.

इस हफ्ते शो में बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस काजोल (Kajol) ने हिस्सा लिया. काजोल अपने बबली अंदाज के वजह से जहां भी जाती हैं छा जाती हैं. इस शो में भी ऐसा ही हुआ. यह एपिसोड 20 अगस्त को वूट (Voot) पर स्ट्रीम होगा. होस्ट मालिनी से बातचीत में काजोल ने अपने और अपने परिवार के बारे में कई दिलचस्प बातें बताईं. मालिनी से बातचीत के दौरान काजोल ने कहा, मुझे किताबे बहुत पसंद हैं और मैं अपने कॉफी के साथ दिन में कम से कम 2-3 घंटे किताब पढ़ सकती हूं क्योंकि मुझे ये अच्छा लगता है. मुझे लगता है की मैं अभी फिल्म नहीं देख सकती हूं. मेरे पास इतना धैर्य नहीं है कि मैं 3 घंटे की फिल्म देख सकूं.

हां, मैं थिएटर जा सकता हूं और फिल्म देख सकताी हूं.बातचीत को आगे बढ़ते हुए काजोल (Kajol) ने कई बातों का खुलासा किया जैसे कि वह अब एक्टिंग करने के अलावा फिल्में बनाना पसंद करती हैं, वह फूडी हैं, उन्हें पीनट बटर काफी पसंद है. एक्ट्रेस के फनी अंदाज से तो हम सब लोग वाकिफ हैं, वह कहती हैं कि उन्हें अपना खुद का इंस्टाग्राम पेज बड़ा फनी लगता है. उन्होंने कहा, 'मेरा सेंस ऑफ ह्यूमर सिर्फ मुझे ही समझ आता है, 90 परसेंट मुझे लगता है कि मैं जो कह रही हूं उसे कोई नहीं समझता. मैं अपना खुद का इंस्टाग्राम पेज देखता हूं और मुझे यह बहुत फनी लगता है.आपको बता दे हाल ही में एक्ट्रेस अजय देवगन (Ajay Devgn) की फिल्म 'भुज' के प्रिमियर पर नजर आई थीं, जहां उनके साथ उनका पूरा परिवार मौजूद था. उस वक्त काजोल की बेटी न्यासा काफी खुश नजर आ रही थीं. उन्हें वहां मस्ती में डांस करते हुए भी देखा गया था.

करीना कपूर

ने डिलिवरी के बाद पहली बार पहनी बिकिनी, Photo देख फैंस हुए बेकरार

करीना कपूर (Kareena Kapoor) अपने दूसरे बेटे के जन्म के बाद से ही चर्चा में बनी हुई हैं. करीना कपूर की किताब भी बीते दिनों लॉन्च हो गई है, जिसमें उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े कई खुलासे किए हैं. अब करीना कपूर अपने पति और एक्टर सैफ अली खान (Saif Ali Khan) के साथ वेकेशन पर मालदीव गई हैं. इस दौरान उनके दोनों क्यूट बेटे जेह और तैमूर अली खान भी साथ हैं. करीना 14 अगस्त को सैफ के 51वें जन्मदिन के मौके पर मालदीव रवाना हुई थीं.

करीना का पूल लुक

मंगलवार को करीना ने अपने चाहने वालों के लिए अपनी खास तस्वीर पोस्ट की है. करीना कपूर (Kareena Kapoor) ने इंस्टाग्राम हैंडल पर ब्लैक बिकिनी पहने हुए अपनी एक शानदार तस्वीर साझा की. बेबो को समुद्र तट पर मस्ती भरे अंदाज में देखा जा सकता है. उनकी निखरी-लाल त्वचा तस्वीर में देखने को मिल रही है. करीना ने यह तस्वीर अपनी इंस्टा स्टोरी पर बीच बम वाले स्टिकर के साथ पोस्ट की है.

सैफ के जन्मदिन पर गए मालदीव

सोमवार को सैफ के जन्मदिन के मौके पर करीना ने पूरे परिवार की मालदीव में मस्ती करते हुए तस्वीरें भी शेयर की थी. पहली तस्वीर में अभिनेत्री, सैफ, बेबी जेह और तैमूर को दिखाया गया है, जबकि दूसरी तस्वीर में कपल को इन्फिनिटी पूल का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है. दोनों मालदीव में खूब मस्ती करते दिख रहे हैं.

दो बेटों के हैं पेरेंट्स

बता दें, सैफ अली खान (Saif Ali Khan) और करीना कपूर (Kareena Kapoor) ने 16 अक्टूबर 2012 को शादी की थी. अब दोनों दो बेटों के माता पिता हैं, जिनका नाम तैमूर अली खान और जेहांगीर अली खान है. कुछ दिनों पहले ही छोटे बेटे के नाम का खुलासा हुआ है. इसी साल करीना दूसरे बच्चे को जन्म दीं, जिसके बाद उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी स्टोरी को अपनी किताब के रूप में लोगों के सामने रखा. किताब प्रेग्नेंसी बाइबिल में उन्होंने दोनों प्रेग्नेंसी के दौरान हुए शारीरिक और भावनात्मक अनुभवों के बारे बताया है. जब वी मेट एक्ट्रेस निर्देशक हंसल मेहता की आने वाली थ्रिलर के साथ कमबैक करने के लिए तैयार हैं. जल्द ही वो लाल सिंह चड्ढा में नजर आएंगी.

विवेक का होशंगाबाद में हुआ भव्य स्वागत

ओलंपिक में कांस्य विजेता भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी हैं विवेक सागर

भोपाल। नर्मदांचल के गौरव और टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के प्रतिभावान खिलाड़ी विवेक सागर के शनिवार को नगर आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया।

नर्मदा महाविद्यालय में समारोह पूर्वक सम्मान समरोह आयोजित किया गया। भारतीय हॉकी टीम के प्रतिभावान खिलाड़ी विवेक सागर नगर आगमन पर सर्वप्रथम केम्पियन स्कूल पहुंचे। यहां उनका ढोल, नगाड़ों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। वे दिल्ली से एयर इंडिया की फ्लाइट से भोपाल आए। इसके बाद वे सड़क मार्ग से होशंगाबाद के लिए रवाना हुए। विवेक सागर सुबह तकरीबन 10 बजे शहर की सीमा में दाखिल हुए। यहां पहुंचते ही खेल संगठनों के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। विवेक को खुली जीप से शहर का भ्रमण कराया गया। ओलंपियन विवेक सागर का स्वागत करने के लिए शहर उमड़ पड़ा। खुली जीप में सवार विवेक ने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। हाथ मे ओलंपिक पदक थामे विवेक ने विजय चिन्ह दिखाते हुए लोगों से मुलाकात की। नर्मदा महाविद्यालय में उनके सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विवेक ने नवोदित खिलाड़ियों को मेहनत करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि अपना लक्ष्य निर्धारित करें। आत्म-अनुशासन और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर विवेक ने रोहित फौजदार को अपने दस्तखत वाली हॉकी भेंट की। प्रतिभूति कागज कारखाना की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल द्वारा विवेक सागर का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में चीफ जनरल मैनेजर दुर्गेशपति तिवारी, सीआईएसएफ कमांडेंट वैभव दुबे मौजूद रहे। कमांडेंट ने बताया कि सीआइएसएफ द्वारा पूरे देश मे जहां जहां भी हॉकी खिलाड़ी हैं, उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। विवेक ने कार्यक्रम की शुरुआत में कहा कि फौजियों को सलाम करते हुए कहा कि हमे तो कई चांस मिल जाते हैं, लेकिन आपको तो सिर्फ एक चांस मिलता है। खेल खेलने से अनुशासन की भावना आती है। विवेक ने जवानों का ताली बजाकर अभिननदन किया। विवेक ने कहा कि मैं सीआइएसएफ जवानों के साथ समय व्यतीत करना चाहता हूं। विवेक को सीआइएसएफ व मिल प्रबंधन की ओर से स्मृतिचिन्ह भेंट किया गया।

विवेक सागर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था, अबकी बार गोल्ड लाना

भारतीय हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्साहवर्धन से देश में खेलों का माहौल बन गया है। उन्होंने यह भी बताया कि जब वे प्रधानमंत्री से तो उन्होंने बधाई देते हुए कहा था कि खूब मेहनत करो, अगले ओलंपिक में गोल्ड लाना। उन्होंने बताया कि शुरुआत का संघर्ष और ओलंपिक पदक जीतने की सफलता दोनों का मेरे जीवन में अहम है। मैं हाकी को लंबे समय तक खेलना चाहता हूं और अगले ओलिंपिक में पदक का रंग सुनहरा हो इसके लिए कठिन मेहनत करुंगा। इटारसी के रहने वाले विवेक ने कहा कि भारत में हॉकी के विकास के लिए हमें ग्रामीण क्षेत्रों में टर्फ युक्त मैदान बनाने होंगे।

हसरंगा, चमीरा और डेविड आरसीबी में हुए शामिल

आईपीएल 2021: ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एडम जम्पा, डैनियल सैम्स और रिचर्डसन रहेंगे अनुपलब्ध

बेंगलुरु । आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2021 के यूएई चरण से पहले श्रीलंकाई ऑल राउंडर वानिंदु हसरंगा और तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीरा के साथ-साथ सिंगापुर के ऑल राउंडर टिम डेविड को साइन किया है।

समझा जाता है कि न्यूजीलैंड के फिन ऐलन और स्कॉट कुगलेइजन को न्यूजीलैंड की बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए राष्ट्रीय टीम में चयनित किए जाने और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एडम जैम्पा, डैनियल सैम्स और केन रिचर्डसन की ओर से खुद को टूर्नामेंट के दूसरे चरण के लिए अनुपलब्ध घोषित करने के मद्देनजर इन खिलाड़ियों के साथ करार किया गया है। इस बीच साइमन कैटिच ने भी फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में माइक हेसन क्रिकेट निदेशक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों के अलावा शेष आईपीएल 2021 सत्र के लिए टीम की कोचिंग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। इस साल का आईपीएल आधा होकर खुद के खत्म होने के इंतजार में है। कोरोना वायरस के अचानक बढ़ने की वजह से चार मई को बीच में ही रोक दिया गया था। अब 19 सितंबर से यूएई में दोबारा शुरू होगा। आरसीबी सात में से पांच मैच जीतकर पॉइंट टेबल में टॉप-3 में है। दिल्ली कैपिटल्स नंबर वन तो दूसरे पर चेन्नई सुपरकिंग्स है।

पंजाब किंग्स ने नाथन एलिस के साथ किया करार

चंडीगढ़। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा की आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2021 के यूएई चरण के लिए ऑस्ट्रेलिया के उभरते क्रिकेटर नाथन एलिस के साथ करार किया है। दरअसल दो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों झाई रिचर्डसन और रिले मेरेडिथ के शेष आईपीएल 2021 सत्र से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने तेज गेंदबाज नाथन एलिस को साइन किया है जिन्हें जिन्हें आगामी आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए रिजर्व खिलाड़ी के रूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। पंजाब किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सतीश मेनन ने एलिस के साथ हुए करार की पुष्टि करते हुए कहा, हम बुधवार तक रिचर्डसन और मेरेडिथ की फिटनेस स्थिति से अवगत नहीं थे, इसलिए हमने एलिस को एक प्रतिस्थापन (रिप्लेसमेंट) खिलाड़ी के रूप में अनुबंधित किया है।

मुंबई इंडियंस ने यूएई में ट्रेनिंग सेशन का किया आगाज

आईपीएल के मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस ने अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के लिए अपना प्रशिक्षण सत्र शुरू कर दिया है। पांच बार के चैंपियन ने सोशल मीडिया पर खिलाड़ियों के वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं और रोशनी के नीचे स्टाफ प्रशिक्षण का समर्थन किया। टीम के भारतीय सदस्य 13 अगस्त को अबू धाबी पहुंचे और अपना एक सप्ताह का क्वारंटाइन पूरा किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ईशान किशन स्कूप शॉट का अभ्यास करते दिखे। फील्डिंग कोच जेम्स पैमेंट के साथ क्रिकेट संचालन निदेशक जहीर खान की एक तस्वीर दिखाई दे रही थी। फैंचाइजी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में अपने प्रशिक्षण का सारांश देते हुए कैप्शन दिया, 55 सेकेंड में काम का पहला दिन! अपनी नोटीफिकेशन चालू करें और हमारे साथ बने रहें। इससे पहले, टीम को एक वीडियो में भी देखा गया था, जो अपनी क्वारंटीन अवधि की समाप्ति के बाद पूल वॉलीबॉल खेल रही थी। इस वीडिया का शीर्षक था क्वारंटाइन से निकलते ही सीधे पूल वॉलीबॉल के लिए गोता लगाना। किशन के अलावा, क्लिप में पीयूष चावला, आदित्य तारे और धवल कुलकर्णी भी थे।

आईपीएल के दूसरे चरण के लिए यूएई पहुंची दिल्ली कैपिटल्स की टीम

इंडियन प्रीमियर लीग 2021 के दूसरे चरण के लिए दिल्ली कैपिटल्स की टीम यूएई पहुंच गई है। दिल्ली कैपिटल्स ने अपने सोशल मीडिया पर टीम की रवानगी के समय तस्वीर को शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी थी। इस दौरान उन्होंने एक शानदार कैप्शन भी लिखा था, फिर से उड़ चला 2.0, हम यूएई के लिए चल पड़े हैं। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स की टीम के साथ अभी सिर्फ कुछ घरेलू क्रिकेटर और सपोर्ट स्टाफ ही यूएई के लिए रवाना हुए हैं। टीम के बांकी खिलाड़ी अपने अलग-अलग इंटरनेशनल दौरों को खत्म करने के बाद जुड़ेंगे। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पहले से ही यूएई में हैं। अय्यर आईपीएल-14 के शुरुआत में चोटिल हो गए थे, जिसके कारण वह पहले चरण में नहीं खेल पाए थे और उनकी जगह ऋषभ पंत को कप्तान बनाया गया था। हालांकि वह अब पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं और वापसी के लिए तैयार हैं लेकिन अभी यह तय नहीं है की उनकी वापसी टीम में कप्तान के तौर पर होगी या फिर सिर्फ एक बल्लेबाज के तौर पर। टीम की कप्तानी को लेकर दिल्ली के मैनेजमेंट ने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। आपको बता दें कि आईपीएल-14 के पहले हिस्से को कोरोना महामारी के कारण मई महीने में स्थगित कर दिया गया था।

आईपीएल में नहीं खेलेंगे बटलर, ग्लेन फिलिप्स लेंगे उनकी जगह

राजस्थान रॉयल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर अपनी टीम को आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में अपनी सेवाएं नहीं दे पाएंगे। उनकी जगह टीम ने ग्लेन फिलिप्स को शामिल किया है। बता दें, आईपीएल 2021 का दूसरा चरण यूएई में 19 सितंबर से खेला जाना है। फ्रैंचाइजी ने इसकी जानकारी अपने अधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर दी, टीम ने लिखा, जोस बटलर आईपीएल 2021 के शेष भाग का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि वह और लुईस जल्द ही दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। हम उनके अच्छे होने की कामना करते हैं, और के नए सदस्य का इंतजार नहीं कर सकते। बटलर आईपीएल के 14वें संस्करण में रॉयल्स के लिए दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अब तक 36.28 की औसत से सात मैचों में 254 रन बनाए हैं।

बार्टी वेस्टर्न ओपन के सेमीफाइनल में

बारबोरा क्रेसिकोवा को 6-2, 6-4 से हराया

मेसन । शीर्ष वरीयता प्राप्त एश्ले बार्टी ने बारबोरा क्रेसिकोवा को 6-2, 6-4 से हराकर वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। बार्टी का सामना दो बार फाइनल खेल चुकी एंजेलिक करबर से होगा।

करबर सेमीफाइनल में पहुंच गई क्योंकि दो बार की विम्बलडन चैम्पियन उनकी प्रतिद्वंद्वी पेत्रा क्वितोवा ने पेट में दर्द के कारण कोर्ट छोड़ दिया। उस समय करबर ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया था और दूसरा सेट 3-3 से बराबर था । बार्टी ने विम्बलडन सेमीफाइनल में करबर को हराया था। वहीं जिल टिचमैन ने टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता स्विटजरलैंड की ही बेलिंडा बेंचिच को 6-3, 6-2 से हराया। इससे पहले टिचमैन ने दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी नाओमी ओसाका को हराया था। अब उनका सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना प्लिसकोवा से होगा। पुरूष वर्ग में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने सातवीं वरीयता प्राप्त पाब्लो कारेनो बस्टा को 6-1, 6-1 से मात दी। दूसरे सेमीफाइनल में स्टेफानोस सिटसिपास का सामना अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा ।

सेमीफाइनल में ज्वेरेव से भिड़ेंगे सितसिपास

दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास ने यहां जारी वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सितसिपास ने क्वॉर्टर फाइनल में कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को दो घंटे 12 मिनट में 6-2, 5-7, 6-1 से हराया। सितसिपास का अगला मुकाबला टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा, जिन्होंने नॉर्वे के कैस्पर रूड को 6-1, 6-3 से हराया। सितसिपास ने एटीपी आयोजनों में ज्वेरेव से 8 बार मुकाबला किया है और 6 बार उनकी जीत हुई है।

एशियाई युवा चैम्पियनशिप में भारत को स्वर्ण की उम्मीद

रोहित, अंकुश व गौरव ने सेमीफाइनल में पहुंचकर कांस्य पदक पक्के किए

नई दिल्ली । भारत के रोहित चामोली (48 किग्रा), अंकुश (66 किग्रा) और गौरव सैनी (70 किग्रा) ने दुबई में चल रही एएसबीसी एशियाई युवा और जूनियर मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचकर खुद के लिए कम से कम कांस्य पदक पक्के कर लिये। तीन अन्य भारतीयों ने टूर्नामेंट के शुरूआती दिन के अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की।

चंडीगढ़ के चामोली ने जूनियर लड़कों की स्पर्धा में अलहसन कादौस स्रिया को और अंकुश ने कुवैत के बदर शेहाब को 5-0 के समान अंतर से पराजित किया। हरियाणा के सैनी ने भी कुवैत के मुक्केबाज याकूब सदाल्लाह के खिलाफ दबदबा बनाया जिसके बाद रैफरी ने दूसरे राउंड में ही मुकाबले को रोक (आरएससी) दिया। तीन अन्य जूनियर मुक्केबाजों आशीष (54 किग्रा), अंशुल (57 किग्रा) और प्रीत मलिक (63 किग्रा) ने शुरूआती दौर के अपने मुकाबले जीत लिए। वहीं यशवर्धन सिंह (60 किग्रा), उस्मान मोहम्मद सुल्तान (50 किग्रा), नक्ष बेनिवाल (75 किग्रा) और ऋषभ सिंह (81 किग्रा) को शुरूआती मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। छह मुक्केबाज दूसरे दिन रिंग में उतरेंगे जिसमें विश्व युवा चैम्पियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता बिश्वामित्र चोंगथाम अपना अभियान शुरू करेंगे। यह एशियाई चैम्पियनशिप कोरोना महामारी के करीब दो साल बाद एशियाई स्तर पर उभरती हुई युवा प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट मुहैया करायेगी। युवा ग्रुप के स्वर्ण पदक विजेताओं को 6,000 डॉलर, रजत पदक विजेताओं को 3,000 डॉलर और कांस्य पदक विजेताओं को 1,500 डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। वहीं जूनियर चैम्पियन को 4,000 डॉलर दिये जायेंगे जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले मुक्केबाज को क्रमशः 2,000 और 1,000 डॉलर मिलेंगे।

रमीज राजा पीसीबी का नया प्रमुख बनने की दौड़ में

कराची। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान और मशहूर कमेंटेटर रमीज राजा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अगले चेयरमैन के तौर पर एहसान मनी की जगह ले सकते हैं। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राजा ने इस संबंध में बात के लिये फोन और संदेश का कोई जवाब नहीं दिया लेकिन मीडिया रिपोर्टों के अनुसार प्रधानमंत्री और बोर्ड के संरक्षक इमरान खान ने मनी के कार्यकाल में विस्तार नहीं देने का फैसला किया है जो अगस्त में समाप्त हो जायेगा। पीसीबी के एक सूत्र ने पुष्टि की, अगले कुछ दिनों में प्रधानमंत्री पीसीबी के संचालन बोर्ड को चेयरमैन के चुनाव के लिये दो नाम भेजेंगे और सदस्यों को इनमें से एक को चेयरमैन चुनना होगा। उन्होंने कहा कि वह रमीज का नाम इन दो उम्मीदवारों में सुन रहे हैं लेकिन अभी तक कुछ पुष्टि नहीं हुई है।

आकांक्षा, चिराग जूनियर राष्ट्रीय टेनिस चैम्पियन बने

चेन्नई। हरियाणा के चिराग दुहन और महाराष्ट्र की आकांक्षा नित्तिकुरे ने शनिवार को यहां एमपीटीए राष्ट्रीय जूनियर अंडर-18 क्ले कोर्ट टेनिस चैंपियनशिप 2021 में लड़कों और लड़कियों की स्पर्धाओं में एकल और युगल दोनों खिताब जीते। शीर्ष वरीयता प्राप्त दुहान ने शनिवार को फाइनल में महाराष्ट्र के साहेब सोढ़ी के खिलाफ पहले सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 4-6, 6-3, 6-2 से जीत दर्ज की। लड़कियों में दूसरी वरीयता प्राप्त आकांक्षा ने कर्नाटक की शीर्ष वरीयता प्राप्त रेशमा मारुरी के खिलाफ फाइनल में 6-1, 6-3 से शानदार जीत दर्ज की। आकांक्षा ने शुक्रवार को दिल्ली की काव्या किरवार के साथ मिलकर लड़कियों के युगल फाइनल में मारुरी बहनों रेशमा और सुहिता को हराया था। दुहन ने महाराष्ट्र के संदेश कुराले के साथ मिलकर लड़कों का युगल खिताब अपने नाम किया था।

वाडा ने एथेंस की डोपिंग रोधी प्रयोगशाला को किया निलंबित

मुंबई। विश्व डोपिंग रोधी प्राधिकरण (वाडा) ने इंटरनेशनल स्टैंडर्ड फॉर लेबोरेटरीज (आईएसएल) और उससे संबंधित तकनीकी दस्तावेजों का अनुपालन नहीं करने के कारण एथेंस (ग्रीस) स्थित डोपिंग नियंत्रण प्रयोगशाला की मान्यता रद्द कर दी है। वाडा की अनुशासन समिति द्वारा की गई सिफारिश को इसकी कार्यकारी समिति ने गुरुवार को ऑनलाइन आयोजित एक असाधारण बैठक में समर्थन दिया। वाडा ने कहा, एथेंस प्रयोगशाला, जिसे पहले ही निलंबित कर दिया गया था, को तुरंत बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में सूचित किया गया। इस निर्णय के बाद यह प्रयोगशाला डोपिंग रोधी संगठनों के लिए डोपिंग नियंत्रण नमूनों का विश्लेषण करने के लिए अयोग्य है जो विश्व डोपिंग रोधी संहिता (कोड) के अनुरूप हैं। कहा गया है की एथेंस प्रयोगशाला को यह भी सूचित किया गया था कि यदि प्रयोगशाला भविष्य में वाडा मान्यता प्राप्त करना चाहती है, तो यह अनुरोध कर सकती है कि वाडा पुन- मान्यता प्रक्रिया में तेजी लाए, जिसे वाडा एक्सको द्वारा आईएसएल के अनुच्छेद 4.6.6.2 के अनुसार अनुमोदित किया जाएगा।

पैरालिंपिक से पहले खेल गांव में कोरोना के दो मामले

टोक्यो । पैरालिंपिक खेलों की आयोजन समिति ने शनिवार को एथलीटों के गांव में कोविड-19 के पहले दो मामलों के सामने आने की पुष्टि की है। उद्घाटन समारोह में दो दिनों का समय रह गया है और आयोजन समिति ने कहा है कि पिछले 24 घंटों में कुल 15 नए मामले सामने आए हैं। अभी तक किसी भी एथलीट की रिपोर्ट पॉजिटिव नहीं आई है, क्योंकि गांव के अंदर से जो दो मामले सामने आए हैं, वे स्टाफ से संबंधित हैं। हालांकि बड़ी संख्या में प्रतिभागी तोक्यो पहुंच चुके हैं और कुछ अभी भी क्वारंटाइन में हैं। शनिवार को पुष्टि किए गए 15 मामलों में पांच खेल संबंधित व्यक्ति शामिल हैं। इसमें अंतराष्ट्रीय पैरालिंपिक समिति, अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति, राष्ट्रीय ओलिंपिक समिति और अंतर्राष्ट्रीय महासंघ के प्रतिनिधि शामिल हैं। बाकी 10 मामले पैरालिंपिक खेलों के ठेकेदारों और उनके कर्मचारियों में से सामने आए हैं। पॉजिटिव आने वालों को अलग कर दिया गया है। 12 अगस्त से अब तक पैरालिंपिक खेलों के संबंध में कोविड -19 के 101 पुष्ट मामले सामने आए हैं। पैरालिंपिक खेल 24 अगस्त से शुरू होंगे और 5 सितंबर तक जारी रहेंगे। 8 अगस्त को समाप्त हुए टोक्यो ओलंपिक खेलों में 1 जुलाई से अब तक किए गए 63,000 से अधिक टेस्ट में से कुल 167 मामले दर्ज किए गए थे।

तीसरे टेस्ट में भारत के प्लेइंग इलेवन से रविंद्र जडेजा हो सकते हैं बाहर, इस खिलाड़ी की होगी वापसी

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मैच लीड्स में खेला जाना है। इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम के प्लेइंग इलेवन में बदलाव किया जा सकता है। सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल करने वाली टीम इंडिया अपने स्टार स्पिनर आर अश्विन को तीसरे मैच में मौका दे सकती है। गेंदबाजी में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे रविंद्र जडेजा की जगह उनको प्लेइंग इलेवन में जगह दी जा सकती है।

मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने अब तक इस सीरीज में दमदार खेल दिखाया है। नॉटिंघम में खेले गए पहले टेस्ट में आखिरी दिन भारत को 157 रन की जरूरत थी लेकिन बारिश की वजह से मैच ड्रा करार दिया गया। लार्ड्स में आखिरी दिन भारत ने पहल 272 रन का लक्ष्य रखा और फिर इंग्लैंड के 120 रन पर ढेर कर 151 रन की बड़ी जीत दर्ज की।

अब तक इस सीरीज में आर अश्विन को खेलने का मौका नहीं मिला है। मुख्य स्पिनर के तौर पर खेले जडेजा गेंदबाजी में कुछ खास नहीं कर पाए हैं। पहले टेस्ट में उन्होंने 16 ओवर की गेंदबाजी करने के बाद एक भी विकेट नहीं हासिल किया। वहीं दूसरे टेस्ट में 28 ओवर की गेंदबाजी करने के बाद भी उनके विकेट का खाता खाली रहा। अब तक कुल 44 ओवर करने के बाद 98 रन खर्च कर जडेजा एक भी विकेट नहीं चटका पाए।

इंग्लैंड के मोइन अली को लार्ड्स टेस्ट में मौका दिया गया था जहां उन्होंने तीन विकेट हासिल किए। यह स्पिनर जडेजा से ज्यादा प्रभावशाली नजर आया। ऐसे में तीसरे टेस्ट में अश्विन को जडेजा की जगह खिलाया जा सकता है। वह प्रमुख स्पिनर हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भी विकेट हासिल करने में कामयाब रहे थे।

अमित खत्री ने 10 हजार मीटर की रेस में जीता रजत

वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत का दूसरा पदक

नैरोबी । केन्या की राजधानी नैरोबी में खेली जा रही अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के अमित खत्री ने इतिहास रच दिया। अमित शनिवार को 10 हजार मीटर वॉकिंग रेस में रजत पदक जीतने में सफल रहे। इस प्रतियोगिता में यह भारत का दूसरा पदक है।

इससे पहले भारत ने 4गुणा400 मीटर रेस में कांस्य पदक जीता था। अमित खत्री ने यह दूरी 42 मिनट और 17.49 सेकेंड में पूरी की। जबकि इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक कीनिया के हेरिस्टोन वान्योनी के नाम रहा जिनहोंने निर्धारित दूरी 42.10 84 समय में पूरी की। वहीं स्पेन के पॉल मेक्ग्रा ने 42:26.11 समय में दूरी तय कर कांस्य पदक जीता। यह पहली बार हुआ है जब भारत ने वॉकिंग स्पर्धा में दो पदक जीते हैं। अमित शुरुआत से ही बढ़त बनाए हुए थे लेकिन आखिरी के दो चक्कर केन्या के धावक ने उन्हें पीछे कर दिया। 17 वर्षीय अमित के लिए यह साल बेहतर रहा है। इस वर्ष की शुरुआत में उन्होंने 10 किमी दौड़ में एक नया राष्ट्रीय अंडर-20 रिकॉर्ड कायम किया था। इस दौरान उन्होंने 18वें राष्ट्रीय फेडरेशन कप में 40.97 सेकेंड के समय के साथ पदक जीता था। भारतीय एथलीट अमित खत्री के कोच चंदन सिंह ने 2024 में होने वाले ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए अपने शिष्य को टारगेट ओलंपिक पोडियन योजना (टॉप्स) में शामिल करने की मांग की। चंदन ने कहा कि उनका उद्देश्य 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वॉलीफाई करना है।

मैं रजत पदक से खुश हूं: अमित खत्री

खत्री ने जीतने के बाद कहा, मैंने इस नतीजे की उम्मीद नहीं की थी, पर मैं रजत पदक से खुश हूं। मैं परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने पांच दिन पहले यहां आ गया था, लेकिन ऊंचाई से मुझ पर असर पड़ा। रेस में कहीं कहीं मैं सही से सांस नहीं ले पा रहा था लेकिन मैं अपने रजत पदक से खुश हूं। बता दें कि खत्री का यह पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट था। वहीं, खत्री के कोच चंदन सिंह ने कहा, अमित ज्यादातर रेस में आगे चल रहा था लेकिन कीनिया के एथलीट ने अचानक एक-डेढ़ लैप पहले बढ़त ले ली। अमित स्वर्ण पदक जीत सकता था लेकिन ऊंचे इलाके से असर पड़ा।